दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

सर्दियों के लिए बेहतरीन है ऊनी ...8

बलरामपुर
सोमवार, 02 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 121 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

केंद्रीय बजट 2026 पेश

वित्त मंत्री ने बताया विकसित भारत का रोडमैप, स्थिरता पर दिया पूरा जोर

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026–27 पेश करने के लिए खड़ी हुईं। वह लगातार नौवां केंद्रीय बजट पेश कर रही हैं। सदन में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि 12 साल पहले जब हमने पदभार संभाला था, तब से भारत की आर्थिक प्रगति स्थिरता से चिह्नित रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली इस सरकार ने अनिश्चितता के बजाय कार्रवाई और बयानबाजी के बजाय सुधार को चुना है। हमने सार्वजनिक निवेश पर मजबूत जोर देते हुए दूरगामी संरचनात्मक सुधारों, राजकोषीय विवेक और मौद्रिक स्थिरता को आगे बढ़ाया है। उन्होंने आगे कहा कि आज हम एक ऐसे बाहरी वातावरण का सामना कर रहे हैं जिसमें व्यापार और बहुपक्षवाद खतरे में हैं। संस्थानों और आपूर्ति श्रृंखलाओं तक पहुंच बाधित है। नई प्रौद्योगिकियां उत्पादन प्रणालियों को बदल रही हैं, जबकि पानी, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। भारत महत्वाकांक्षा और समावेशिता के बीच संतुलन बनाते हुए विकासशील भारत की दिशा में आत्मविश्वासपूर्ण कदम बढ़ाना जारी रखेगा। वित्त मंत्री राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम, 2003 की धारा 3(1) के तहत दो वक्तव्य भी पेश करेंगी। इनमें मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति–सह–राजकोषीय नीति रणनीति वक्तव्य और व्यापक आर्थिक ढांचा वक्तव्य शामिल हैं। इस बीच, जीएसटी 2.0 के रूप में प्रचारित जीएसटी सुधारों का उद्देश्य 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो दर संरचना के माध्यम से अप्रत्यक्ष कराधान को सरल बनाना, अनुपालन लागत को कम करना और आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर दरों में कटौती के माध्यम से जीवन यापन की लागत को कम करना है। इस बार बजट दस्तावेज महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद सरकार निर्यात वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। वित्त मंत्री सीतारमण ने 2025–26 वित्तीय वर्ष के लिए भारत का आर्थिक सर्वेक्षण संसद में पेश किया। बजट सत्र 65 दिनों में 30 बैठकों तक चलेगा और 2 अप्रैल को समाप्त होगा। दोनों सदन 13 फरवरी को अवकाश के लिए स्थगित हो जाएंगे और 9 मार्च को पुनः सत्र शुरू करेंगे ताकि स्थायी समितियां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की अनुदान मांगों की जांच कर सकें।

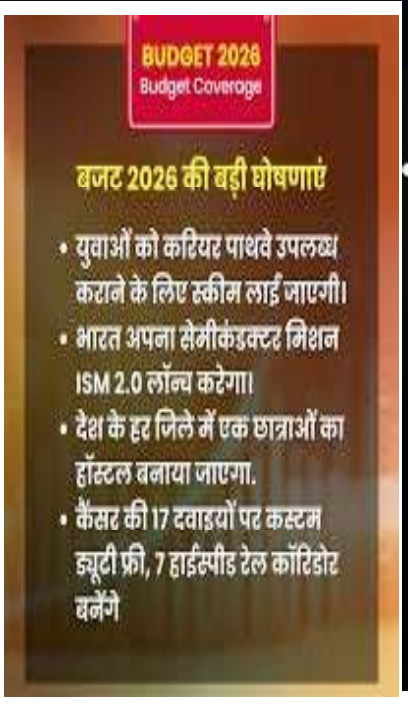

बजट 2026 को पीएम मोदी ने बताया गेम चेंजर

बोले: विकसित भारत की उड़ान के लिए मजबूत नींव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026–27 को भारत के विकसित भारत 2047 के सफर की मजबूत नींव बताते हुए इसकी सराहना की और कहा कि यह देश में चल रही सुधार की रफ्तार को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश किया। उन्होंने लगातार नौवां बजट पेश किया। राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह बजट विकसित भारत 2047 के सपने की उड़ान के लिए एक मजबूत नींव है। यह बजट भारत में चल रही सुधार की रफ्तार को नई ऊर्जा और गति प्रदान करेगा। अभूतपूर्व सुधारों ने भारत के साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए खुले आसमान के नीचे विकास के अवसर प्रदान किए हैं। हमारा प्रयास कौशल, व्यापकता और स्थिरता को निरंतर मजबूत करना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक सबसे बड़ी संपत्ति हैं और सरकार ने उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व निवेश किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की सबसे बड़ी संपत्ति उसके नागरिक होते हैं। हाल के वर्षों में, हमारी सरकार ने अपने नागरिकों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व निवेश किया है। राजकोषीय और आर्थिक रणनीति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक ऐसा अनूठा बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने, मुद्रास्फीति को नियंत्रण में लाने पर केंद्रित है और इसके साथ ही, इस बजट में उच्च पूंजीगत व्यय और उच्च विकास का संयोजन भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को और मजबूत करता है। भारत के 14 करोड़ नागरिक न केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट हैं, बल्कि हम जल्द से जल्द तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। यह देश के करोड़ों नागरिकों का संकल्प है। विश्व के एक विश्वसनीय, लोकतांत्रिक सहयोगी और एक विश्वसनीय गुणवत्तापूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में, भारत की भूमिका निरंतर विस्तारित हो रही है। भारत द्वारा हाल ही में हस्ताक्षरित व्यापार समझौतों – सर्वव्यापी समझौतों की जननी – का अधिकतम लाभ भारत के युवाओं और भारत के लघु एवं मध्यम उद्योगों को मिलना चाहिए। इस दिशा में बजट में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार ने कृषि, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने आगे कहा, इस बजट में नारियल, कोको, काजू और चंदन की खेती करने वाले किसानों के लिए कई महत्वपूर्ण उपाय भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, विशेष रूप से पूर्वोत्तर में, महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपाय किए गए हैं। विभिन्न राज्यों को मजबूत करके, यह बजट संतुलित और समान विकास की नींव रखता है। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कई प्रमुख पहलों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण और दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों के विकास पर विशेष ध्यान देने से राज्यों का विकास होगा। उन्होंने आगे कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बजट में कई प्रमुख पहलें शामिल की गई हैं। इनमें समर्पित माल ढुलाई गलियारों का विकास, राष्ट्रीय जलमार्गों का विस्तार, हाई–स्पीड रेल गलियारों का निर्माण और दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों के विकास पर विशेष ध्यान देना शामिल है। इसके अलावा, नगर निगम बांडों को बढ़ावा देने का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों को एक मजबूत आर्थिक आधार प्रदान करना है। ये सभी उपाय मिलकर विकसित भारत की दिशा में प्रगति को गति देंगे।

बजट 2026 को खड़गे ने बताया दिशाहीन

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की केंद्रीय बजट 2026 को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि इसमें देश की गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत दूरदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए पूछा कि मेक इन इंडिया कहां है और दावा किया कि विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 13: पर अटकी हुई है। खरगे ने किसानों के लिए समर्थन की कमी पर भी निराशा व्यक्त की और कहा कि वे अभी भी सार्थक कल्याणकारी सहायता या आय सुरक्षा योजना की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

बजट पर राहुल का तीखा हमला, बोले- सरकार ने देश के संकट को नजरअंदाज किया

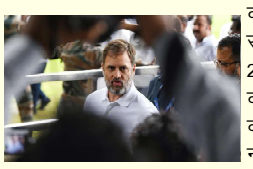

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026–2027 की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत के वास्तविक संकटों को नजरअंदाज करता है और सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाता। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं और घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि किसान संकट में हैं। राहुल गांधी ने कहा कि युवा बेरोजगार हैं। विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। किसान संकट में हैं। वैश्विक संकटों का खतरा मंडरा रहा है – इन सब की अनदेखी की जा रही है।

यह बजट आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में भारत की वैश्विक छवि को और मजबूत करेगा: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को पेश किया गया बजट भारत को वैश्विक मंच पर पारंपरिक से लेकर नये दौर के विभिन्न क्षेत्रों में सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनाने की रफ्तार को तेज करेगा। शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे तक, स्वास्थ्य से लेकर पर्यटन तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, खेल से लेकर तीर्थ स्थलों तक, विकसित भारत बजट एक ऐसा बजट है जो हर गांव, हर कस्बे और हर शहर के युवाओं, महिलाओं एवं किसानों के सपनों को सशक्त बनाता है, ताकि वे उन सपनों को साकार कर सकें।''

राजनाथ ने कहा– आवंटन में वृद्धि से सैन्य क्षमता सशक्त होगी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बजट में रक्षा क्षेत्र के

लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये का प्रविधान किए जाने पर प्रधानमंत्री का हृदय से आभार। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के बाद आए इस बजट ने देश की रक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के हमारे संकल्प को और सुदृढ़ किया है। इस वर्ष हमारी सेनाओं के कुल पूंजीगत खर्च के लिए 2.19 लाख करोड़ का प्रविधान किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण पक्ष हमारी तीनों सेनाओं के आधुनिकीकरण का है। इसके लिए इस वर्ष 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत अधिक है। इस वृद्धि के परिणामस्वरूप हमारी सैन्य क्षमता और अधिक सशक्त होगी।

बजट 2026 से बदलेगी युवाओं– महिलाओं की तकदीर: सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्रीय बजट आम जनता पर केंद्रित है और महिला–केंद्रित है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य 2047 तक विकसित भारत के मिशन को हासिल करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र ने विकसित भारत का रोडमैप तैयार करते हुए आज केंद्रीय बजट पेश किया है। मैं प्रधानमंत्री मोदी को बजट दिशा–निर्देशों के मार्गदर्शन और देखरेख के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी इस बजट को पेश करने के लिए धन्यवाद देता हूं। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि बजट में सात रेल गलियारों के निर्माण सहित अवसंरचना विकास के लिए 12 लाख रुपये से अधिक का आवंटन किया

गया है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश के 145 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और आशाओं को दर्शाता है। यह विकसित भारत के दृष्टिकोण और मिशन का प्रतीक है। अवसंरचना विकास के लिए पूंजीगत व्यय हेतु 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है, जिसमें सात रेल गलियारों के लिए भी प्रावधान शामिल हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 में विभिन्न क्षेत्रों और सुधारों को शामिल किया गया है, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बजट कामकाजी महिलाओं पर केंद्रित है, विशेष रूप से छात्रावासों के विकास पर, साथ ही गणित, विज्ञान, सांख्यिकी और उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए छात्रावासों के विकास पर भी। इससे देश के युवाओं के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा। यह सुनिश्चित करेगा कि युवाओं को हर क्षेत्र में अवसर मिलें। इसके साथ ही, इसमें कई क्षेत्रों और सुधारों को शामिल किया गया है जो आम नागरिकों के जीवन को आसान बनाएंगे। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने बजट का स्वागत करते हुए कहा कि इससे महिलाओं, युवाओं, किसानों, व्यापारियों और आम लोगों के लिए अनेक अवसर मिलेंगे।

पूर्व विधायक संजय प्रताप, एसडीएम हिमांशु ने किया क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बस्ती। रविवार को किसान इण्टर कॉलेज भानपुर में समाजसेवी मनोज सिंह के नेतृत्व में आयोजित स्वर्गीय रघुनाथ सिंह स्वर्गीय राजकुमार चौधरी स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल और उप जिलाधिकारी भानपुर हिमांशु कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फीता काटकर किया।पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के खेल आयोजनों से छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिलता है। ऐसे टूर्नामेंट युवाओं को नशा और गलत रास्तों से दूर रखते हुए खेल के माध्यम से अनुशासन और टीम भावना सिखाते हैं।विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी हिमांशु कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण स्तर पर आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। इससे न केवल खेल प्रतिभा निखरती है, बल्कि सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारा भी मजबूत होता है।टूर्नामेंट के पहले दिन भीवापार और पटखौली की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन पटखौली की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए भीवापार की टीम को 34 रनों से पराजित कर मैच अपने नाम किया। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन तालियों और नारों के साथ किया। टूर्नामेंट के दौरान आयोजकों द्वारा जरूरतमंद महिलाओं में कंबल का वितरण किया गया। आयोजक मनोज सिंह ने बताया कि टूर्नामेंट के सफल आयोजन में दिलीप सिंह, पिंकू सिंह, राजू सिंह, राकेश सिंह, बृजेश सिंह, सोनू सिंह, शिवकुमार सिंह, विक्की सिंह, नितीश श्रीवास्तव, छोटू सिंह, विकास, बलवल यादव, मनीष यादव, मोहम्मद खालिक, शिवराम सिंह, दीपू और अभय सिंह का विशेष सहयोग रहा है।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष डॉ. रोली सिंह, विधायक प्रतिनिधि पं. सरोज मिश्र, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिह, सोनहा थानाध्यक्ष महेश सिंह, सन्तोष यादव, दिलीप सिंह, राकेश सिंह, शिवकुमार सिंह, खालिक अंसारी, छोटू सिंह, अतुल पाण्डेय, रंजय यदव, भोलू सिंह, वृजेश सिंह, सोनू सिंह, सैंकी श्रीवास्तव सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, खेल प्रेमी एवं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जयन्ती पर 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का संदेश देने संत रविदास को किया नमन

संत रविदास ने समाज के मन की ताकत को समझा-मूलचंद आजाद

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बस्ती। मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश देने वाले संत और समाज सुधारक संत रविदास की जयंती पर जनपद में अनेक आयोजन किये गये।रविवार को विधानसभा बस्ती सदर क्षेत्र में अनेक स्थानों पर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर विभिन्न गांवों में श्रद्धा और उत्साह के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में आजाद समाज पार्टी (भाईचारा कमेटी) के जिला अध्यक्ष मूलचंद आजाद ने सक्रिय रूप से सहभागिता की और संत रविदास जी के विचारों को जन–जन तक पहुंचाया। कहा कि संत रविदास ने लोगों को मन की ताकत को समझाते हुए अपने दोहों के जरिए जो सीख दी, वो आज भी लोगों को जीवन जीने की सही दिशा प्रदान कर रही है।साऊंघाट तृतीय जिला पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत पकरी नासिर, धौरहरा, रमवापुर, कनैली, बिल्लौर, सोनहटी, खझौला, नरियाव, मुजहाना, भुड़ली, कुर्थिया सहित अन्य गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रमों में संत रविदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया तथा उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया।कार्यक्रमों में आजाद समाज पार्टी (भाईचारा कमेटी) के जिला अध्यक्ष मूलचंद आजाद ने कहा कि संत रविदास ने समानता, भाईचारा और सामाजिक न्याय का संदेश दिया, जिसे आज के समाज में आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि हम संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलें तो समाज से भेदभाव, अशिक्षा और कुरीतियों को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से नशे से दूर रहने और अपने बच्चों को शिक्षा की ओर अग्रसर करने की अपील की। मूलचंद आजाद ने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है और शिक्षित समाज ही अपने अधिकारों को पहचान सकता है। इस मौके पर प्रवीण राना, सोनू सिंह गौतम, देवेंद्र कुमार बौद्ध, राहुल राव, राम आशीष गौतम, गोविंद कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन करेगा 11 दिवसीय निःशुल्क विज्ञान महोत्सव का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सदेंश

शोहरतगढ़।विज्ञान को आम जनमानस तक सरल, रोचक और व्यवहारिक रूप में पहुँचाने के उद्देश्य से डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन, गोरखपुर द्वारा एक ऐतिहासिक पहल कर 02 फरवरी 2026 से 12 फरवरी 2026 तक निःशुल्क विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला आयोजित करने जा रहा है। सिद्धार्थनगर के विभिन्न विद्यालयों में नौ फरवरी से 12 फरवरी तक होने वाले आयोजनों में भारी संख्या में छात्र–छात्रायें लाभ उठा सकेंगें। इस विशेष आयोजन के अंतर्गत हैंड्स–ऑन साइंस एक्टिविटी, दूरबीनों द्वारा आकाश दर्शन, वैज्ञानिक व्याख्यान, तथा प्रयोग आधारित कार्यशालाएं आयोजित होंगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक . ष्टिकोण और नवाचार की भावना को विकसित करना है। डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि यह संपूर्ण कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। कोई भी स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्था या सामाजिक संगठन अपने परिसर में इस विज्ञान कार्यशाला का आयोजन कराने हेतु संस्था से संपर्क कर सकता है। कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित विज्ञान विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की

गई है। इनमें गुजरात से प्रसिद्ध विज्ञान संचारक सी. चंद्रमौली, हरियाणा से विज्ञान संचारिका चित्रा सिंह, फाउंडेशन के सीईओ राहुल व्यास, खगोल–भौतिकविद संतोष कुमार, संयोजक गिरिजेश, गणितज्ञ डॉ. अनूप कुमार सिंह, रोबोटिक्स विशेषज्ञ अविनाश भास्कर सहित कई अन्य विशेषज्ञ शामिल होंगे। फाउंडेशन की संस्थापक प्रिया यादव ने बताया कि यह पहल विज्ञान को किताबों की सीमाओं से बाहर निकालकर समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरित करना है, ताकि देश को विक्रम साराभाई, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, कल्पना चावला और राकेश शर्मा जैसे वैज्ञानिक व्यक्तित्व मिल सकें। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष प्रयोगों द्वारा विज्ञान को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे उनमें अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक जिज्ञासा का विकास होगा।

निःशुल्क विज्ञान जागरूकता आयोजन में विषय विशेषज्ञों का रहेगा योगदान

निःशुल्क विज्ञान जागरूकता आयोजनों में विषय विशेषज्ञों के रूप में गुजरात से विख्यात विज्ञान प्रसारक सी. चंद्रमौली एवं हरियाणा से प्रसिद्ध विज्ञान संचारिका एवं हैंड्स–ऑन एक्टिविटी विशेषज्ञ चित्रा सिंह , फाउंडेशन के सी०ई० ओ० श्री राहुल व्यास खगोल–भौतिकविद संतोष कुमार, गिरिजेश,(संयोजक) , शोभित कुमार श्रीवास्तव (डॉ० टैक्सो), डॉ० अनूप कुमार सिंह (गणितज्ञ), राम .पाल, मुस्तन शेरुल्लाह एवं खगोलविद अमर पाल सिंह, हरि शंकर (रिसर्चर), राजेश कुमार (फैब्रिकेटर),नवीन कुमार, अरविंद सिंह पटेल, राज नारायण,कार्तिक परिधि,अमरेश कुमार,राम सिंह (प्रोजेक्ट मैनेजर), अविनाश भास्कर (रोबोटिक्स विशेषज्ञ), आदि सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले अनेकों प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों की सहभागिता, मार्गदर्शन एवं सक्रिय भूमिका सुनिश्चित रहेगी।

किसान का शव संदिग्ध हाल में खेत में मिला

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के नगवां गांव में सुबह घर से खेत की सिंचाई करने गया अधेड किसान का शव संदिग्ध हाल में खेत में पडा मिला। परिजनों ने हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दिया है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर शव कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। बताते है कि उक्त गांव निवासी 53 वर्षीय दिनेश शर्मा .सुबह घर से लगभग एक किमी दूर चौराहे बाबा मंदिर के पास अपनी चक में बोई गई फसल की सिंचाई करने गया था। दोपहर में परिजन उसे भोजन लेकर गये तो आवाज लगाने पर भी वह नहीं बोला। खोजने पर उसका शव खेत के मेड के पास पडा मिला। शोरगुल सुन तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया। मृतक की पत्नी श्रीमती देवी ने थाने में तहरीर देकर पति की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पायेगी।

एक करोड़ की शराब की साथ दो गिरफ्तार

जौनपुर। जिलें के थाना सिकरारा थाने व एसटीएफ की संयुक्त टीम ने 435 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब अनुमानित कीमत एक करोड रुपये) बरामद करते हुए, दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक, डा0 कौस्तु ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक सिकरारा व एसटीएफ टीम प्रयागराज की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान तस्करी की जा रही कि अवैध अंग्रेजी शराब 435 पेटी डीसीएम में राजधानी व्हिस्की 750 एमएल कुल अवैध अंग्रेजी शराब 5220 बोतल में कुल अवैध अंग्रेजी शराब 3915 लीटर के साथ पंकज पाल उर्फ टिटू पुत्र चन्द्रपाल निवासी दीनदयाल नगर थाना सिविल लाईन जनपद मुरादाबाद व प्रिन्स श्रीवास्तव उर्फ सिंटु पुत्र स्व0 रमेशन्द्र श्रीवास्तव नई बस्ती हुकुलगंज थाना लालपुर पाण्डेयपुर जनपद वाराणसी से बरामद करते हुए आयुष्मान आरोग्य उपकेन्द्र सिकरारा के पास से गिरफ्तार किया गया।

सीता राम विवाह धैर्य, समर्पण और प्रेम की पराकाष्ठा है – राजन जी महाराज

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोरखपुर। शहर के नौका विहार स्थित चंपा देवी पार्क में

27 जनवरी से चल रही राम कथा के पांचवें दिन धनुष भंग एवं सीता.राम विवाह का भावपूर्ण प्रसंग प्रस्तुत किया गया। विश्व विख्यात कथावाचक राजन जी ने कथा के माध्यम से धर्म, भक्ति और मर्यादा का गूढ़ संदेश दिया।राजन जी ने कहा कि जीवन में जितनी आवश्यकता अर्थ की है, उतनी ही परम अर्थ की भी है। परमार्थ का मिलना जीवन का सौभाग्य है। उन्होंने बताया कि असुरों से यज्ञ की रक्षा के बाद विश्वामित्र राम और लक्ष्मण को मिथिला ले गए, जहां अनेक वीर राजाओं के असफल होने के पश्चात राम ने गुरु की आज्ञा से शिव धनुष को सहजता से उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाते ही उसका भंजन कर दिया। इससे सम्पूर्ण जनकपुर आनंद से भर उठा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल धनुष तोड़ना नहीं, बल्कि अहंकार का अंत और सच्चे समर्पण की विजय का प्रतीक है।धनुष भंग के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि शक्ति का आधार भक्ति और विनम्रता है। लक्ष्मण. परशुराम संवाद के माध्यम से राम के धैर्य, तर्क और ब्राह्मण के प्रति सम्मान भाव को रेखांकित किया गया।सीता.राम सहित चारों भाइयों के विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए राजन जी ने बताया कि इस दिव्य विवाह को देखने देवता भी वेश बदलकर आए थे। सुंदर भजनों के साथ विवाह प्रसंग सुनते ही श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और स्वयं को जनकपुर का साक्षी अनुभव करने लगे।कथा में कुशीनगर विधायक पीएन पाठक, पिपराइच विधायक महेन्द्र पाल सिंह, डीआईजी गोरखपुर आनंद कुलकर्णी, उद्योगपति जगदीश आनंद, रमेश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन में संयोजक प्रदीप शुक्ला तथा आयोजन समिति के सदस्यों की सहभागिता रही। हजारों श्रद्धालुओं ने कथा और भजनों का आनंद लिया।

बजट से हर वर्ग का सपना पूरा होगा– संजय प्रताप जायसवाल

कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर साझा किया बजट की खुशियां

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बस्ती। केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने सल्टौवा गोपालपुर विकास खण्ड के सभागार में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ खुशियों को साझा करते हुये कहा कि इस बजट से हर वर्ग का सपना पूरा होगा। उन्होने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ बजट का सीधा प्रसारण देखने के बाद कहा कि यह बजट विकसित भारत के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। आम लोगों के लिए बड़ी राहत देते हुए वित्त मंत्री ने डायबिटीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयां सस्ती करने की घोषणा किया इससे लाखों मरीजों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा। इन कदमों से न

केवल स्वास्थ्य सेवाओं तक आम लोगों की पहुंच आसान होगी, बल्कि खेल और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समग्र विकास को भी गति मिलेगी।पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि 2025–26 के बजट में भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और आम नागरिकों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गए हैं। इस बजट में .षि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट विकसित भारत का रोड मैप है। ये बजट सामाजिक, आर्थिक और सांस्:तिक विकास के इतिहास में नए स्वर्णिम अध्याय जोड़ेगा। समग्र विकास और आत्मनिर्भर की नीव रखने वाला बजट है। इस बजट से हर वर्ग का सपना पूरा होगा। बजट में किसान, युवा, गरीब और नारी शक्ति और अन्नदाता पर विशेष फोकस किया गया है।कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष रामनिवास गिरी , चन्द्रभान गुप्ता, इन्द्र सेन उपाध्याय, सुधाकर सिंह, .पाशंकर श्रीवास्तव, भोला जायसवाल, सुधाकर मोदनवाल, विकास शर्मा, आदर्श शुक्ला, नरेन्द्र दूबे आदि शामिल रहे।

दो पहिया वाहनों का सुरक्षित सफर अभी अपर्याप्त

जौनपुर। कहा जाता है कि दो पहिया वाहनों पर चलने वाली दोनों सवारी हेलमेट लगाकर चलें तभी सफर सुरक्षित है लेकिन जनपद में यह फार्मूला जमीन पर रेयर ही दिखता है। पूरे जनवरी माह को राष्ट्रीय सडक सुरक्षा माह के रूप में मनाया गया लेकिन सडक चलते यदा कदा ही दिखाई दे कि बाइक पर सवार दोनों लोग हेलमेट लगाकर यात्रा कर रहे हों।पीछे बैठा व्यक्ति अगर पुरुष है तो गिनें चुने बाइक पर हेलमेट लगाये दिख जायें।अगर पीछे महिला बैठी है तो और मुश्किल है कि दोनों लोग हेलमेट लगाये दिखें और अगर पीछे बैठी सवारी बच्चा है तो शायद ही हेलमेट लगाये कभी आपको दिखा हो जबकि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार चार वर्ष से अधिक आयु के बच्चे के लिए हेलमेट लगाना अनिवार्य है।यही जमीनी हकीकत है। जबकि जनपद देश के सडक दुघर्टना वाले टाप 100 जनपदों की सूची में शामिल है। जब बाइक पर दोनों सवार हेलमेट लगाकर चलते दिखते हैं तो उन्हें देखकर मन में यह खुशी होती है कि गुजरने वाले व्यक्ति केवल जुर्माने के डर से नहीं बल्कि जीवन के महत्व को समझते हैं इस कारण से दोनों सवारी हेलमेट लगाये हुये हैं। जनपद में दो सडकें अभी हाल में ही राष्ट्रीय राजमार्ग में तब्दील हुईं मछलीशहर–जंघई मार्ग और जौनपुर –रामपुर मार्ग इन सडकों किनारे बसे गांवों के लिए बेहद जरूरी था कि सडक यातायात जागरूकता कार्यक्रम विशेष रूप से चलाया जाता जिससे बिना हेलमेट के तेज रफ्तार से बाइक चलाने वाले युवाओं में इस बेहद गम्भीर मुद्दे के प्रति संवेदनशीलता पैदा होती क्योंकि ग्रामीण इलाकों में इस मामले में पुलिस शहर की तुलना में रोक– टोक कम करती है और सडक सुरक्षा को हल्के में लिया जाता है।

लोहेपार में शिक्षा और सम्मान की पहल, बोर्ड परीक्षा की छात्राओं को मिला संबल

सिसवा बाजार। स्थानीय नगर के लोहेपार मोहल्ले में युवाओं की सामाजिक सहभागिता का एक सराहनीय उदाहरण देखने को मिला। बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होने जा रही कक्षा 10 एवं 12 की छात्राओं को परीक्षा से पूर्व पठन–पाठन एवं लेखन सामग्री प्रदान कर बेहतर सफलता के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर छात्राओं की माताओं को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। लोहेपार सम्मान समारोह का आयोजन ठाकुर जी मंदिर परिसर में किया गया, जिसका शुभारंभ प्रेमलाल सिंघानिया कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती शशिकला सिंह, समाजसेवी एवं मीडिया समूह के सीईओ प्रमोद गुप्ता एवं सपा नेता प्रवीण सिंह सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। अतिथियों ने युवाओं द्वारा पिछले कई वर्षों से निरंतर संचालित इस शैक्षिक प्रोत्साहन अभियान की सराहना करते हुए छात्राओं को आत्मविश्वास, अनुशासन एवं लगन के साथ परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने का संदेश दिया। इस दौरान छात्राओं को स्कूल बैग के साथ पठन एवं लेखन सामग्री प्रदान की गई। साथ ही जर्नलिस्ट प्रेस क्लब महराजगंज की निचलौल तहसील इकाई के सहयोग से 50 गरीब एवं आवश्यकता मंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। इस आयोजन को सफल बनाने में लोहेपार युवा समाजसेवी संगठन के अजय प्रजापति का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन उमेश जायसवाल 'उमंग' एवं पवन प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में पन्नेलाल यादव, अभिनव सिंह, अमर श्रीवास्तव, अभिषेक गिरी, सत्यप्रकाश गिरी, किशोर यादव, हरिलाल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर के पूर्व जिला विद्यालय निरीक्षक पर लगा 25 लाख रुपये घूस लेने का गंभीर आरोप

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सिद्धार्थनगर। जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआइओएस) कार्यालय एक बार फिर विवादों में आ गया है। शनिवार को संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय में उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक शिक्षिका अपने भाई के साथ संयुक्त कार्यालय में डीआइओएस पर वेतन भुगतान के एवज में 25 लाख रुपये घूस लेने का गंभीर आरोप लगाया।मामले को लेकर करीब आधे घंटे तक कार्यालय परिसर में हंगामा होता रहा। संयुक्त शिक्षा निदेशक नवलकिशोर ने दोनों पक्षों को समझाते हुए मामले को शांत कराया और जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।आरोप लगाने वालों का कहना है कि डीआइओएस उपेंद्र कुमार ने वेतन जारी करने के नाम पर 25 लाख रुपये की धनराशि ली। इसके बाद अतिरिक्त 17 लाख रुपये की मांग की गई और रकम न मिलने पर वेतन फिर से रोक दिया गया। हंगामे की सूचना पर कार्यालय में मौजूद अधिकारी और कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए।मदनमोहन मालवीय इंटर कालेज कंधरापुर की सहायक शिक्षिका डा. प्रिया तिवारी ने बताया कि अंजुमन इस्लामिया उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दौना लालगंज को वर्ष 2002 में अनुदान सूची में शामिल किया गया था। उस समय तीन पुराने शिक्षकों के स्थान पर तीन

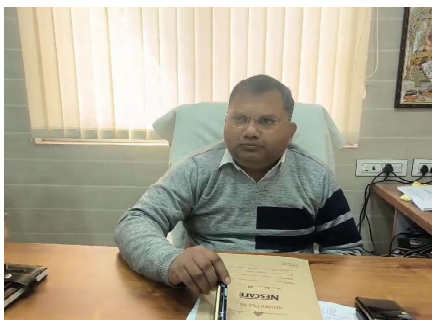

नए शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामला न्यायालय पहुंचा, जहां वेतन भुगतान पर रोक लगा दी गई।शिक्षक के पुत्र सौरभ तिवारी और पुत्री प्रिया तिवारी का कहना है कि वर्ष 2016 में न्यायालय से उनके पक्ष में निर्णय आया था, लेकिन विपक्षी पक्ष ने दोबारा स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया। इसके बाद वर्ष 2024 में कोर्ट ने फिर से शिक्षकों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि 2016 के निर्णय के अनुसार वेतन भुगतान किया जाए।कोर्ट के आदेश के बाद शिक्षक डीआइओएस कार्यालय पहुंचे और वेतन भुगतान के लिए प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन आरोप है कि इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद में कार्यालय में तैनात एक कर्मचारी के जरिए मध्यस्थता हुई। पीड़ित पक्ष का दावा है कि इसी माध्यम से डीआइओएस उपेंद्र कुमार को 25 लाख रुपये दिए गए, जिसके बाद एक माह का वेतन जारी किया गया।इसके बाद कथित रूप से 17 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की गई। रकम न देने पर वेतन दोबारा रोक दिया गया। मजबूर होकर शिक्षक पक्ष फिर से न्यायालय की शरण में गया, जहां से वेतन भुगतान के आदेश दोबारा जारी हुए। इसी बीच डीआइओएस उपेंद्र कुमार अवकाश पर चले गए। उनके स्थान पर प्रभारी डीआइओएस वीरेंद्र प्रताप सिंह ने वेतन भुगतान शुरू कराया। अवकाश से लौटने के बाद उपेंद्र कुमार ने दोबारा कार्यभार संभालते हुए वेतन भुगतान रोक दिया। इससे नाराज होकर शिक्षक के स्वजन संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय पहुंचे और हंगामा किया।

बोले डीआइओएस

मेरे ऊपर लगाए गए सारे आरोप निराधार है। वेतन कोर्ट के आदेश के तहत अवरुद्ध किया गया था और इस संबंध में परिषद से मार्गदर्शन मांगा गया था। घूस मांगने की बात पूरी तरह से गलत है।

उपेंद्र कुमार, डीआइओएस आजमगढ़।

नवल किशोर, संयुक्त शिक्षा निदेशक आजमगढ़

वेतन भुगतान को लेकर शिक्षक व उसके स्वजन शिकायत लेकर आए थे। डीआइओएस पर घूस लेने का गंभीर आरोप लगाया है, घूस लेना व देने दोनों अपराध है। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक विधायक ने किया संस्कृत विद्यालय भवन का शिलान्यास

दैनिक बुद्ध का सदेंश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर।स्थानीय कस्बा अन्तर्गत स्थित विश्वबंधु संस्कृत माध्यमिक विद्यालय घुघुलिया के जर्जर हो चुके भवन के ध्वस्तीकरण के बाद नए भवन के निर्माण हेतु प्रोजेक्ट अलंकार॰ के तहत शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने रविवार को शिलान्यास किया।इस मौके पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरे विधि विधान से विद्यालय के नए भवन के निर्माण के लिए नींव में ईंट रखकर शिक्षक विधायक ने ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने शिलान्यास करते हुए कहा कि विद्यालय केवल ईंट पत्थर से बनी एक इमारत मात्र नहीं है, बल्कि हमारे बच्चों के सपनों और एक शिक्षित भविष्य की आधारशिला होते हैं।जहां की कक्षाओं में पीढ़ियां पढ़ लिखकर देश और समाज के उन्नति में भागीदारी सुनिश्चित कराती हैं। अतएव विद्यालय अच्छे नागरिकों के निर्माण की कार्यशाला है जहां नौनिहालों को शिक्षा और संस्कार के माध्यम से नई ऊंचाइयाँ प्राप्त होती हैं।विद्यालय भवन के शिलान्यास अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अनूप छापड़िया, प्रधानाचार्य डॉ दिनेश कुमार विश्वकर्मा, निर्मल छापड़िया,नरेंद्र छापड़िया,आनंद छापड़िया, ओंकार पांडेय,राकेश पांडेय,रामेश्वर पाण्डेय, मयंक पांडेय, गोपाल अग्रहरी,महेश छापड़िया,गोपाल दास छापड़िया आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

संत शिरोमणि गुरु रविदास एक महान समाज सुधारक– सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का सदेंश

कपिलवस्तु। विधानसभा के विकासखंड लोटन अंतर्गत ग्राम

सभा हरिगांव में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती धूमधाम से मनाई गई जिसके मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल रहे संत रविदास जयंती पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास एक महान समाज सुधारक, कवि और ईश्वर के अनन्य भक्त थे उन्होंने समानता, सामाजिक समरसता और मानव जाति की एकता का संदेश दिया उनका एक प्रसिद्ध वाक्य ष्मन चंगा तो कठौती में गंगाष् उनके द्वारा रचित यह प्रसिद्ध वाक्य मन की पवित्रता को ही सच्ची भक्ति मानता है कार्यक्रम को पूर्व जिला अध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी उर्फ लाल बाबा ने भी अपने संबोधन में महान संत रविदास पर अपनी शुभकामनाएं लोगों को दिया तथा कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र पांडे ने किया इस अवसर पर लालबेनी,चंद्रमणि चौरसिया ,रामकुमार, राजेंद्र सीताराम, डॉक्टर नंदकुमार ,रमेश ,अब्दुल सलाम ,.ष्ण चंद्र सिंह ,मोनी सिंह ,मनोज कुमार ,घनश्याम साहनी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गांवों को विकसित बनाने की बड़ी जिम्मेदारी ग्राम प्रधानों पर- जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर महोत्सव 2026 के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने ग्राम प्रधान गणों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/सहायिकाओं को शुभकामनायें देते हुये कहा कि गांवों को विकसित बनाने की बड़ी जिम्मेदारी ग्राम प्रधानों को दी गयी है। ग्राम प्रधानों द्वारा गांवों में सड़क, नाली आदि मूलभूत सुविधाओं के माध्यम से विकसित किया जा रहा है। मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। जब हमारा गांव विकसित होगा तभी हमारा प्रदेश व हमारा भारत देश विकसित होगा। जनपद में कालानमक चावल, मछली उत्पादन में काफी प्रगति हुई है वैसे मखाना की खेती करके मखाना उत्पादन में भी हमारा जनपद आगे होगा। आज संसद में 2026–27 का बजट पेश किया गया। जिसमें महिलाओं के लिए

तथा अन्य विकास कार्यो के लिए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बजट आवंटित किया गया है। जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी और हमारा देश ग्रोथ इंजन के रूप में उभर कर आत्मनिर्भर बनेगा। महिलायें सशक्त होगीं और महिलाओं के लिए सभी जिला मुख्यालयों पर महिला छात्रावास का निर्माण कराया जायेगा, जिससे महिलाओं को कोई परेशानी न हो। स्वास्थ्य व शिक्षा में 05 प्रतिशत टैक्स लगता था उसको 02 प्रतिशत कर दिया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पोषाहार का वितरण करके उनके स्वास्थ्य का देखभाल करती हैं। आंगनबाड़ी अपने परिवार के साथ–साथ समाज के अन्य परिवार का देखभाल करने का कार्य करती हैं। कम मानदेय के बावजूद कड़ी मेहनत कर महिलाओं, बच्चों की देखभाल व शासन के अन्य कार्यो को सम्पन्न कराने तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों तक पंहुचाने का कार्य कर रही हैं। सरकार जल्द ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय को बढ़ाने का कार्य करेगी। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो0 डॉ0 गीता चोपड़ा द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां भारत के भविष्य की आधारशिला विषय पर जानकारी दिया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बताया कि बच्चों के समुचित विकास के लिए आवश्यक पोषाहार देने से उनका विकास अच्छे ढंग से होगा। बच्चों को सिखाने की प्रक्रिया व सोच में बदलाव के प्रति बारीकी से बताया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रमिला मिश्रा द्वारा अपने विचार के माध्यम से लागों को जागरूक किया गया। मा0 सांसद डुमरियागंज श्री जगदम्बिका पाल द्वारा मा0 विधायक कपिलवस्तु श्री श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा श्री कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी0एन0, मुख्य विकास अधिकारी श्री बलराम सिंह की उपस्थिति में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो0 डॉ0 गीता चोपड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों में उत्ष्ठ कार्य करने वाले ग्राम प्रधान व सचिव को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। उत्ष्ठ कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, सीडीपीओ, ग्राम प्रधान व आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका आदि की उपस्थिति रही।

विकसित भारत की नींव रखने वाला ऐतिहासिक बजट– राघवेन्द्र प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का सदेंश

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। शाहपुर स्थित हिंदू भवन बूथ संख्या

93 पर रविवार को केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026–27 का सजीव प्रसारण पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना।इस अवसर पर पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओजस्वी एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रस्तुत यह बजट विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला एक ऐतिहासिक बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान को विशेष रूप से प्राथमिकता दी गई है और इसमें समावेशी विकास की स्पष्ट झलक देखने को मिलती है।उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय बजट 2026–27 आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूती प्रदान करने के साथ–साथ मजबूत राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह बजट देश की आर्थिक प्रगति को नई गति देने वाला सिद्ध होगा।बजट को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा देखने को मिली। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में केंद्र सरकार की नीतियों पर विश्वास जताते हुए विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संकल्प लिया। इस दौरान अजय सिंह, शत्रुहन सोनी, शिवकुमार दुबे, बिंदराज गिरि, संजय, अमन आदि मौजूद रहे।

राजा योगेन्द्र प्रताप सिंह की मौजूदगी में तमिलनाडु को हराकर दिल्ली पहुंची सेमीफाइनल में

दैनिक बुद्ध का सदेंश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन

4 रविवार का मैच दिल्ली व तमिलनाडु के बीच खेला गया, जिसमें दिल्ली के कप्तान आयुष चौहान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तमिलनाडु की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 16 में ओवर में 94 रन बनाकर आल आउट हो गई। तमिलनाडु की तरफ से आदित्य कुमार ने 33 एवं सुनील ने 21 रनों के योगदान दिया। दिल्ली की तरफ से कप्तान आयुष चौहान ने 05, भास्कर भारद्वाज ने 04 सक्षम ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम ने जितेन्द्र शर्मा के धुआंधार 45 एवं हर्षित प्रताप सिंह के नाबाद 35 रनों की बदौलत 02 विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। तमिलनाडु की तरफ से शाह आलम और सुनील ने 01–01 विकेट लिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच दिल्ली का कप्तान आयुष चौहान रहे। बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन 4 टूर्नामेंट मैच के मुख्य अतिथि शोहरतगढ़ के समाजसेवी राजा योगेन्द्र प्रताप सिंह जी रहे। इस अवसर पर इस अवसर पर सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मनीष श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, रंजीत चौधरी, बेचन प्रसाद, केशव यादव, राहुल चौधरी, चन्दन पाण्डेय, वकील खान, अशरफ अंसारी उर्फ बाबूजी सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे। वहीं सोमवार का मुकाबला दिल्ली और लखनऊ के बीच खेला जायेगा।

भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने किया बजट सत्र पर चर्चा

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी द्वारा संसद के बजट सत्र के अवसर पर प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026–27 के सजीव प्रसारण को भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने सदर विधायक श्यामधनी राही व पार्टी पदाधिकारियों के साथ देखा।बजट सत्र सुनने के उपरांत जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने कहा आज संसद के बजट सत्र में मा० प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सितारमण द्वारा प्रस्तुत ष्केंद्रीय बजट 2026–27ष् सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी एवं करोड़ों देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। बजट 2026–27 के माध्यम से मा० प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सिद्ध किया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है। विधायक सदर श्यामधनी राही ने कहा विकसित भारत बजट एक ऐसे भारत के निर्माण का विजन है, जो विश्व में हर क्षेत्र में अग्रणी होगा। इस लोक कल्याणकारी बजट के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार एवं एवं मा० केंद्रीय वित्त मंत्री जी का धन्यवाद।इस अवसर पर जिला महामंत्री विपिन सिंह,विजयकांत चतुर्वेदी,जिला मंत्री अजय उपाध्याय,जिला मीडिया प्रभारी भाजपा निशांत पाण्डेय,भाजपा नेता संतोष शुक्ला,नगर अध्यक्ष महेश वर्मा,अनुराग गगन,अरविंद पाण्डेय,सतीश रस्तोगी आदि लोग उपस्थित रहें।

केंद्रीय बजट को बताया आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम-यशकान्त सिंह

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बस्ती। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट को आत्मनिर्भर भारत और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष ब्लॉक प्रमुख संघ, ब्लॉक प्रमुख रामनगर एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा बस्ती यशकान्त सिंह ने इसकी सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और मजबूत आर्थिक नीतियों का परिणाम है, जिसके चलते भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है।यशकान्त सिंह ने कहा कि बजट में गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग के सर्वांगीण विकास का विशेष ध्यान रखा गया है। आधारभूत संरचना के विस्तार, रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाले प्रावधान देश की आर्थिक रीढ़ को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, .षि और उद्योग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए प्रावधान भविष्य की मजबूत नींव तैयार करेंगे।उन्होंने आगे कहा कि यह बजट 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और देश को आर्थिक महाशक्ति बनाने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। यह बजट आने वाले वर्षों में समावेशी विकास और आर्थिक स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करेगा।

केन्द्रीय बजट विकसित भारत के संकल्प को देगा मजबूती –राना दिनेश प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का सदेंश

बस्ती। संसद में प्रस्तुत केन्द्रीय बजट की सराहना करते हुए

उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि यह बजट विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में देश के बढ़ते कदमों को और अधिक सशक्त करेगा।राना दिनेश प्रताप सिंह ने बजट में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थानों की स्थापना को भारतीय प्राचीन चिकित्सा पद्धति को विश्व स्तर पर स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि बजट में ग्रामीण विकास, नगरीकरण, युवाओं, किसानों एवं महिलाओं सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है।उन्होंने इस जनकल्याणकारी बजट के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त किया।

सम्पादकीय

हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन की परिपाटी, सोच की दिशा, शोध की परिकल्पना और आशाओं का सवेरा लाने के लिए शैक्षणिक परिसर के उद्गार बदलने होंगे। प्रदेश का भाषा–संस्कृति विभाग के प्रकाशन बाल मन में नायकत्व पैदा करने की पुस्तकें प्रकाशित करे। प्रदेश के पुराने स्कूल–कालेजों पर केंद्रित साहित्य, प्राचीन शहरों और गांवों के इतिहास पर लिटरेचर सामने आए तो ...

बाल मन में नायक

राहों पर निकलते युगों की पहचान कर लें, तो भविष्य की यात्राएं सुखद रहेंगी। हिमाचल में सियासी तौर पर शिक्षा को सजाने के कई दरबार बन गए और जहां हाजिरी में सिर्फ भवन तसदीक हुए। ऐसा नहीं कि पढ़ाई के दौरान कई सफल चरित्र पहचान बन गए, लेकिन हमने कतारबद्ध डिग्रियों को सरकारी नौकरी के परचम से बांध दिया। हम या तो कर्मचारी राज्य बनते गए या सरकारी नौकरी की दरगाह में मानसिक कमजोरी से पहुंचने लगे। हमारे सामने शिक्षा की हिस्ट्री ने अल्पमत विश्वास, सरकारी रोजगार या अभिभावकों का करार चुन लिया। इसी तरह हिमाचल के उदाहरण बने और एक पीढ़ी ने ऐसी उपाधियां ओढ़ लीं जो सरकारी नौकरी की मोहनी सूरत और अपनी क्षमता की मृगतृष्णा में उलझ गए। इसी दौरान स्कूल–कालेजों से ऐसे बच्चे निकले जो डिग्रियों की औपचारिकता से कहीं दूर, अपनी सफलता के क्षितिज पर अलग–अलग विषयों में डंका बजाने लगे। क्या हमें याद है किस कालेज से कोई युवा फिल्म उद्योग तक कैसे पहुंचा। किसने संगीत के माहौल में कालेज के दिनों को कैसे बुना। मोहित चौहान को ही लें, तो धर्मशाला कालेज परिसर में चीड़ के पौधों के नीचे कब संगीत गूंजा या धौलाधार के साक्ष्यों ने विश्वास किया। शिमला की ओबोहवा में प्रिटि जिंटा ने सिने वर्ल्ड के डग भरे, तो कालेज की सखियों ने खुद को गौरवान्वित समझा। विक्रम बतरा ने पालमपुर के शैक्षणिक माहौल से उठकर सरहद पर नाम लिखने का बीड़ा उठाया, तो किसने सोचा होगा कि यह बच्चा डिग्रियों के कदमताल से ऊपर, देश का टीका लगाने के लिए अपने लहू का रंग इस्तेमाल करेगा। कहने का संदर्भ यह कि शैक्षणिक संस्थानों में पनपती उत्कंठा को समझने या इतिहास बनाने निकले युवाओं को याद करने की एक परंपरा होनी चाहिए। पिछली सरकार ने स्कूलों से निकले चेहरों को याद करने के लिए शुरुआत तो की, लेकिन इसे पूरा नहीं किया गया। ऐसे में आधी सदी या इससे भी अधिक समय गुजार चुकी तमाम शिक्षण संस्थाओं को अपने इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। हम तात्कालिक अर्थों में व्यक्तित्व विकास के मुहावरे बनाते हैं, जबकि हमारे आसपास का मानव इतिहास प्रेरणाओं से भरा है। हर कालेज की परिधि में अगर कुछ साहित्यकार, पत्रकार, ब्यूरोक्रेट, अधिकारी, गायक और खिलाड़ी निकले हैं, तो उनकी उपलब्धियों के इतिहास का लेखाजोखा शैक्षणिक संस्थान को स्वर्णिम अक्षरों में लिखना चाहिए। स्कूलों के वार्षिक समारोह जिस रौनक के आदी हो गए हैं, वहां एक परिचय सफल उजालों से भी होना चाहिए। उस सोच की गुलामी से हिमाचल की प्रतिभा को मुक्त करने का वक्त आ गया है जो सरकार से असंभव उम्मीदों का वातावरण बनाए रखती है। जीवन की किश्ती अगर एक ही दिशा–एक ही लक्ष्य की ओर चलेगी, तो भंवर सिर्फ नजरअंदाज होंगे–फतह नहीं। स्कूलों में हर बच्चे के भीतर 'एक नायक मन' है। उसकी सृजनशीलता के ताबूत पर अभिभावकों के ताले, स्कूली पाठ्यक्रम के हस्ताक्षर और सियासी लक्ष्यों के फासले लिख दिए जाते हैं। आश्चर्य तो यह कि विश्वविद्यालय भी सियासी आडंबर में खुद को समायोजित करते रहते हैं। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन की परिपाटी, सोच की दिशा, शोध की परिकल्पना और आशाओं का सवेरा लाने के लिए शैक्षणिक परिसर के उद्गार बदलने होंगे। प्रदेश का भाषा–संस्कृति विभाग के प्रकाशन बाल मन में नायकत्व पैदा करने की पुस्तकें प्रकाशित करे। प्रदेश के पुराने स्कूल–कालेजों पर केंद्रित साहित्य, प्राचीन शहरों और गांवों के इतिहास पर लिटरेचर सामने आए तो हम ज्ञात अनुभूतियों से ऊपर अपने गौरव की पाठशाला में बच्चों के निश्चय व निर्णायक आभा को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए जोरावर सिंह, बजीर राम सिंह पठानिया या पहाड़ी गांधी कांशीराम सरीखे नायकों पर नाटकों का मंचन करें या पाठ्य पुस्तकों के प्रवाह में हिमाचल के सफल चरित्रों का वर्णन करें, तो एक आशा व प्रेरणावादी माहौल जरूर बनेगा।

निवेश के दृष्टिकोण से यह लॉन्ग टर्म ग्रोथ वाला बजट

आज 1 फरवरी, 2026 है, और सरकार ने देश का केंद्रीय बजट 2026–27 पेश कर दिया है। यह बजट विकसित भारत निवेश के .ष्टिकोण से यह श्लॉन्ग टर्म ग्रोथश वाला बजट है।के लक्ष्य की ओर एक और बड़ा कदम माना जा रहा है, जिसमें तकनीक, बुनियादी ढांचे और मध्यम वर्ग को संतुलित करने का प्रयास किया गया है। आज वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया बजट न केवल वित्तीय लेखा–जोखा है, बल्कि अगले एक दशक के लिए भारत की आर्थिक दिशा का ब्लूप्रिंट भी है। इस साल के बजट में डिजिटल इकोनॉमी, ग्रीन एनर्जी और मध्यम वर्ग को राहत देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए नई कर व्यवस्था में मानक कटौती की सीमा बढ़ा दी है। मध्यम आय वर्ग के लिए टैक्स स्लैब को तर्कसंगत बनाया गया है, जिससे नौकरीपेशा लोगों के हाथों में अधिक बचत सुनिश्चित हो सके। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटन को पिछले वर्ष की तुलना में 12: बढ़ाया गया है। इसमें रेलवे हेतु वंदे भारत ट्रेनों के नए स्लीपर कोच और 500 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास शामिल है।साथ ही हेतु नेशनल हाईवे के विस्तार के लिए रिकॉर्ड आवंटन भी शामिल है। लॉजिस्टिक्स में माल ढुलाई की लागत कम करने के लिए नए समर्पित कॉरिडोर शामिल हैं। कृषि और ग्रामीण विकास पर देखें तो पाएंगे कि किसानों के लिए श्डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चरश पर जोर दिया गया है। यहां ड्रोन तकनीक रू फसलों की निगरानी और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए सब्सिडी है। प्रा.तिक खेती में 1 करोड़ किसानों को प्रा.तिक खेती अपनाने के लिए सहायता की अवधारणा है। भंडारण हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना का विस्तार हुआ है। शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र मेंयुवाओं के लिए श्इंटर्नशिप योजनाश और कौशल विकास केंद्रों पर निवेश बढ़ाया गया है। शिक्षा बजट में विशेष रूप से ए आई और सेमीकंडक्टर रिसर्च के लिए अलग से फंड आवंटित किया गया है, ताकि भारत वैश्विक टेक हब बन सके। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब इसमें और अधिक गंभीर बीमारियों और मध्यम वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने का प्रस्ताव है। साथ ही, टियर–2 और टियर–3 शहरों में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गई है। यह बजट संतुलित दिखता है, जहाँ एक ओर वित्तीय घाटे को नियंत्रित करने का लक्ष्य है, वहीं दूसरी ओर आम आदमी की जेब का भी खयाल रखा गया है। निवेश के .ष्टिकोण से यह श्लॉन्ग टर्म ग्रोथश वाला बजट है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

खेतों में मौन होता श्रम

रास्ता उन श्साझा हाथोंश से होकर जाता है जो झाबुआ के खेतों में एक–दूसरे को थामे हुए हैं। अड़जी–पड़जी हमें याद दिलाती है कि खेती केवल एक व्यापार नहीं है, बल्कि एक सामुदायिक उत्सव और जीवन पद्धति है। यदि हम वास्तव में किसान और मजदूर दोनों को बचाना चाहते हैं, तो हमें अपनी आधुनिक नीतियों में झाबुआ के इस अड़जी–पड़जी मॉडल को जगह देनी होगी। स्थानीय ज्ञान और...

एक कड़वी सच्चाई आज का भारतीय किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ खेती में श्प्रच्छन्न बेरोजगारीश का शोर है, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि बुवाई और कटाई के पीक सीजन में किसान को एक मजदूर तक नसीब नहीं होता। जो मजदूर उपलब्ध हैं, उनकी नकद मजदूरी की मांग और किसान की भुगतान करने की घटती क्षमता। पिरोधाभासों के बीच फंसी खेती भारतीय कृषि आज एक अजीबोगरीब चौराहे पर खड़ी है। अर्थशास्त्री इसे श्अधिशेष श्रमश का क्षेत्र कहते हैं, जहां आवश्यकता से अधिक लोग नियोजित हैं। लेकिन धरातल की सच्चाई इसके ठीक उलट है। आज गांव का किसान बुवाई और कटाई के महत्वपूर्ण समय में श्हाथश तलाश रहा है, जबकि खेत में पसीना बहाने वाला मजदूर सम्मानजनक पारिश्रमिक और सुरक्षा के अभाव में शहरों की ओर पलायन कर रहा है। यह केवल एक आर्थिक संकट नहीं है, बल्कि उस सामाजिक ढांचे का ढहना है जिसने सदियों तक भारतीय गांवों को आत्मनिर्भर बनाए रखा था। इस गहराते संकट के बीच, मध्य प्रदेश के झाबुआ की आदिवासी परंपरा श्अड़जी–पड़जीश एक ऐसी मशाल बनकर उभरती है, जो न केवल श्रम की समस्या का समाधान देती है, बल्कि आधुनिक खेती के लिए एक नया श्इकानॉमिक मॉडलश भी प्रस्तुत करती है।

कृषि श्रम का गहराता संकट रू एक कड़वी सच्चाई आज का भारतीय किसान दोहरी मार झेल रहा है। एक तरफ खेती में श्प्रच्छन्न बेरोजगारीश का शोर है, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि बुवाई और कटाई के पीक सीजन में किसान को एक मजदूर तक नसीब नहीं होता। जो मजदूर उपलब्ध हैं, उनकी नकद मजदूरी की मांग और किसान की भुगतान करने की घटती क्षमता के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है। अड़जी–पड़जी सामूहिक श्रम की गौरवशाली परंपरारू जहां आधुनिक नीतियां विफल होती हैं वहां आदिवासी समाज का श्स्थानीय ज्ञानश मार्ग दिखाता है। झाबुआ और अलीराजपुर के आदिवासी अंचलों में प्रचलित श्अड़जी–पड़जीश कोई साधारण प्रथा नहीं, बल्कि श्रम के लोकतंत्रीकरण का उत्कृष्ट उदाहरण है। श्अड़जी–पड़जीश का दर्शन सरल और प्रभावी हैरू इसमें गांव के किसान एक–दूसरे के खेतों में सामूहिक रूप से काम करते हैं। यदि आज एक किसान के खेत में बीज रोपना है, तो पूरा गांव या टोला वहां मौजूद होगा। कल वही समूह दूसरे के खेत में जाएगा। यहां श्रम का मूल्य श्नोटोंश में नहीं, बल्कि श्सहयोगश में मापा जाता है। इसमें न कोई मालिक है, न कोई नौकरय हर कोई एक–दूसरे का सहयोगी है। समाधान के रूप में स्थानीय ज्ञान के लाभरू अड़जी–पड़जी जैसी परंपराएं आधुनिक कृषि की तीन बड़ी चुनौतियों का समाधान करती हैं–

आर्थिक स्वावलंबन, छोटे और सीमांत किसानों के पास नकद राशि का अभाव होता है। अड़जी–पड़जी नकद मजदूरी की आवश्यकता को समाप्त कर देती है, जिससे किसान को साहूकारों या बैंकों से कर्ज नहीं लेना पड़ता। समयबद्धता और लचीलापनरू कृषि में समय का बहुत महत्व है। बारिश होने के साथ ही बुवाई शुरू करनी होती है। अड़जी–पड़जी के माध्यम से जो काम एक परिवार दस दिन में करता, वह सामूहिक श्रम से एक ही दिन में संपन्न हो जाता है। श्रम की गरिमा और सुरक्षारू जब किसान एक–दूसरे के खेतों में काम करते हैं, तो काम में श्सम्मानश जुड़ जाता है। यह उन मजदूरों के लिए भी एक सुरक्षित विकल्प है जो शहरों की असुरक्षित गलियों में धक्के खाने के बजाय अपने समुदाय के बीच रहकर गरिमापूर्ण जीवन जीना चाहते हैं। कृषि श्रम कोष परंपरा को नीति का समर्थनरू झाबुआ के इस अनुभव को राष्ट्रव्यापी बनाने के लिए केवल सराहना काफी नहीं है, इसे नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। एक श्कृषि श्रम कोषश की स्थापना समय की मांग है। इस कोष का उद्देश्य उन समुदायों और समूहों को वित्तीय प्रोत्साहन देना होना चाहिए जो मशीनीकरण के बजाय पारंपरिक श्रम–साझा प्रणालियों को चुनते हैं। यह कोष छोटे और मध्यम किसानों को संगठित होने, श्टूल बैंकश (साझा कृषि उपकरण) बनाने और पीक सीजन के दौरान होने वाले जोखिमों को कवर करने में मदद कर सकता है। यदि सरकार मनरेगा जैसी योजनाओं को इन स्थानीय श्रम–साझा मॉडलों के साथ जोड़ दे, तो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और उत्पादकता दोनों में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। पारिस्थितिकी और सामाजिक न्याय का संगमरू अड़जी–पड़जी केवल श्रम बचाने का तरीका नहीं है, यह श्प्राकृतिक खेतीश का आधार भी है। जब श्रम सामूहिक होता है तो रसायनोंकी जगह हाथोंसे निराई–गुड़ाई संभव होती है। इससे मिट्टी की उर्वरता बचती है और पर्यावरण की रक्षा होती है। यह मॉडल सामाजिक न्याय की भी बात करता है, क्योंकि यह महिलाओं के श्रम को अदृश्य होने से बचाता है और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करता है। जड़ों की ओर वापसीरू भारतीय कृषि आज जिस चौराहे पर खड़ी है, वहां रास्ता केवल स्मार्ट सिटी या श्बड़ी मशीनोंश से होकर नहीं जाता।

मोदी– दोनों हाथों में लड्डू

अब एससी, एसटी और ओबीसी के लोग इस बात की उम्मीद मोदी सरकार से बांध लेंगे कि सामाजिक न्याय भी मोदी के रहते ही मुमकिन होगा और वहीं सवर्ण तबका चाहे भाजपा से जितनी नाराजगी दिखाए, वोट देने के वक्त उसे मोदी की ब्राह्मणवाद को बढ़ावा देने वाली राजनीति ही याद आएगी। संसद में पुरोहितों की मौजदूगी में सेंगोल रखने से लेकर...

जैसा कि अनुमान लगाया जा रहा था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए चाहे जितने कठोर नियम बना ले, उन्हें लागू करना आसान नहीं होगा। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी द्वारा जारी नए नियमों पर देश भर में सवाल और बवाल दोनों खड़े हुए और उसके बाद सीधे सुप्रीम कोर्ट में इसे रोकने के लिए याचिकाएं दायर हुईं, जिन पर गुरुवार 29 जनवरी को महत्वपूर्ण सुनवाई भी हो गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर अस्थायी रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि पहले दृष्टिकोण से यह प्रतीत होता है कि इन नियमों की भाषा में स्पष्टता की कमी है, जिससे उनका गलत उपयोग हो सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चेतावनी दी कि ऐसे नियम समाज को विभाजित कर सकते हैं और परिसरों में अमेरिका की तरह नस्लीय विभाजन जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन नियमों की जांच की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने केंद्र सरकार से इन नियमों की समीक्षा करने को कहा और तब तक उनके लागू होने पर रोक जारी रखने का आदेश दिया। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल से कहा कि वे एक विशेषज्ञ कमेटी गठित करें। जिसमें कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल करने पर विचार किया जाए, ताकि समाज में बिना भेदभाव के समग्र विकास हो सके। गौरतलब है कि यूजीसी नियमावली, 2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया था। ये नियम अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों के खिलाफ भेदभाव, उत्पीड़न और आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से लाए गए हैं। यह 2012 के पुराने नियमों की जगह लाए गए हैं। इन नियमों के तहत सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में समता समितियां (इक्विटी कमेटी) गठित करना अनिवार्य किया गया है। इस कमेटी का काम जातिगत भेदभाव की शिकायतों की जांच करना है। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के हक की बात उठते ही समाज में बवाल खड़ा हो गया। भारत में जाति व्यवस्था इतनी गहरी पैठी हुई है कि जाति के नाम पर उत्पीड़न सामान्य व्यवहार के तौर पर अपना लिया गया है। एक इंसान दूसरे इंसान को केवल जाति के आधार पर अपमानित, शोषित या प्रताड़ित करे, यह चलन सदियों से चला आ रहा है और इसे दूर करने की जितनी कोशिशें की गईं, उतने ज्यादा अड़ंगे सवर्ण समाज की तरफ से लगाए गए। चाहे मंडल कमीशन की सिफारिशें हों या अभी यूजीसी के नए नियम, उन पर समाज का एक तबका ऐसे विरोध में उतरा मानो अपने से निचली जातियों का उत्पीड़न उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट में सवर्ण वर्ग की ओर से दायर याचिकाओं में इन नियमों को असंवैधानिक बताया गया है। इसे जाति आधारित भेदभाव करार दिया। याचिकाकर्ताओं में से एक वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह भेदभाव संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 के खिलाफ है और इससे शिक्षा क्षेत्र में, समाज में और अधिक खाई पैदा हो सकती है। कितने कमाल की बात है कि शिक्षा क्षेत्र या समाज में जातिगत भेदभाव इन लोगों को तब दिखाई नहीं देता, जब किसी दलित बच्चों को मध्याह्न भोजन में अलग पंक्ति में बिठाने की खबरें आती हैं, या किसी छात्र को उसकी निचली जाति के कारण शारीरिक या मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता है। रोहित वेमुला या पायल तड़वी जैसे लोगों को अगर आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया, तो उसके पीछे यही सदियों से चला आ रहा जातिगत भेदभाव ही है। बहरहाल, अब शीर्ष अदालत इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को करेगी। तब तक मोदी सरकार जाति या किसी और कारण से समाज को बांटने के नए तरीके सोच ही लेगी। वैसे तो शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी ने बचाव में कहा कि नए नियम किसी समुदाय को निशाना नहीं बनाते हैं और समितियां निष्पक्ष होंगी, जिसमें विविध प्रतिनिधित्व होगा। लेकिन सरकार इस बात को अच्छे से जानती थी कि कमजोर तबके के लोगों को सुरक्षा देने या उन्हें आगे बढ़ाने के लिए जो भी फैसले लिए जाएंगे, उस पर समाज के सवर्ण तबके से तीखी प्रतिक्रिया आएगी ही और इस मामले पर राजनीति भी खूब होगी। और ऐसा ही हुआ भी। यूजीसी के नियम केवल कानूनी मसला नहीं है, बल्कि इसके सामाजिक और राजनैतिक पहलू भी हैं। जिनमें चुनावी हित नाप–तौल के ही मोदी सरकार आगे बढ़ी है। पूरे देश में यूजीसी के नए नियमों पर केवल विरोध ही नहीं हुआ, बल्कि नरेन्द्र मोदी–अमित शाह के पोस्टरों पर प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। उनके खिलाफ कब्र खुदेगी जैसे नारे लगाए गए। मजे की बात ये है कि इन नारों को लगाने वाले सवर्ण छात्रों को किसी ने देशद्रोही नहीं कहा। जबकि जेएनयू में ऐसे ही नारे लगे थे तो छात्रों को फौरन देशविरोधी करार दिया गया था। जाति पर किस तरह का भेदभाव समाज में किया जाता है, ये उसी का एक उदाहरण है। बहरहाल, यूजीसी के नए नियमों को अभी लाना और फिर लागू होने पर रोक लगाना, सब चुनावी राजनीति की तरफ इशारा करते हैं। बिहार चुनाव में तो एसआईआर के कारण भाजपा को काफी मदद मिल गई। लेकिन तमिलनाडु, प.बंगाल, असम, केरल और पुडुचेरी में भाजपा को तरकश में कुछ और तीर बढ़ाने थे। कांग्रेस जातिगत जनगणना और आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा से आगे निकली हुई थी, अगले साल उत्तरप्रदेश में चुनाव हैं और वहां समाजवादी पार्टी भी पीडीए को आगे बढ़ाए हुई है। ऐसे में भाजपा को इनकी काट निकालनी थी, सो यूजीसी के नए नियमों से उसमें मदद मिल गई।

बजट 2026 में खेलों पर बड़ा दांव, खेलो इंडिया मिशन से बदलेगा पूरा Sports Ecosystem

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लगातार नौवीं बार लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026–27 पेश किया। अपने भाषण में उन्होंने देश में उच्च गुणवत्ता वाले किफायती खेल सामानों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में खेल सामानों के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की अपार क्षमता है। इससे स्पष्ट होता है कि अब खेल सामान सस्ते होने वाले हैं, जो देश के खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है।

सीतारमण ने कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और नौकरी के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से शुरू की गई खेल प्रतिभाओं के व्यवस्थित पोषण को आगे बढ़ाते हुए, मैं अगले दशक में खेल क्षेत्र को बदलने के लिए एक खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव करती हूं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट 2026–27 भाषण में कहा कि भारत में खेल सामग्री के वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने की क्षमता है। हम विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी खेल सामग्री को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित पहल का प्रस्ताव करते हैं। यह घोषणा देश में खेलों को बढ़ावा देने में मोदी सरकार द्वारा वर्षों से दिए जा रहे महत्व को उजागर करती है। पिछले एक दशक में, भारतीय सरकार ने खेलों के प्रति अपने दृष्टिकोण में मौलिक परिवर्तन किया है, प्रतिक्रियात्मक मॉडल से हटकर एक सक्रिय, खिलाड़ी–केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र की ओर अग्रसर हुई है। यह विकास एक षपिरामिड० रणनीति द्वारा चिह्नित हैरू जमीनी स्तर पर नींव को मजबूत करना और शीर्ष स्तर पर अभिजात वर्ग को समर्थन प्रदान करना। अब ध्यान केवल स्टेडियम बनाने से हटकर एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर केंद्रित हो गया है। इसमें नया राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान संस्थान और भारत को खेल सामग्री का वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की एक समर्पित पहल शामिल है। साथ ही, पिछले कुछ वर्षों में, बजट में खेलों के लिए भारी मात्रा में आवंटन किया गया है।

बजट प्रस्तुति के दौरान बोलते हुए, सीतारमण ने खेल विनिर्माण के आधुनिकीकरण और अनुसंधान–आधारित नवाचार का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया ताकि भारत को उच्च गुणवत्ता वाले खेल उपकरणों का वैश्विक केंद्र बनाया जा सके। इस पहल से न केवल घरेलू उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी बल्कि खेल क्षेत्र में स्टार्टअप, लघु एवं मध्यम उद्यमों और प्रौद्योगिकी–आधारित उद्यमों के लिए अवसर भी सृजित होंगे। यह घोषणा क्षेत्र–विशिष्ट नवाचार रणनीतियों पर बढ़ते ध्यान को दर्शाती है, जो खेलों को न केवल एक सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधि के रूप में बल्कि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और तकनीकी अवसर के रूप में भी स्थापित करती है।

अंडर–19 विश्व कप में भी कायम नो हैंडशेक की परंपरा, भारत और पाकिस्तान के कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

रविवार को आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 के सुपर 6 ग्रुप 2 के मैच में भारत और पाकिस्तान के कप्तानों ने टॉस के समय पारंपरिक हाथ मिलाने से परहेज किया। भारत अंडर–19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे और पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ ने बिना हाथ मिलाए टॉस की औपचारिकताएं पूरी कीं। गौरतलब है कि भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैचों में टॉस के दौरान हाथ न मिलाना एक आम बात हो गई है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच 2025 एशिया कप के दौरान अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। यह सिलसिला तब भी जारी रहा जब एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 मैच में इंडिया ए टीम ने पाकिस्तान शाहीन टीम से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया, और अब अंडर–19 विश्व कप में दोनों टीमों के बीच हुए मुकाबले में भी ऐसा ही हुआ।

अंडर–19 मैच में, पाकिस्तान अंडर–19 ने टॉस जीतकर सुपर 6 ग्रुप 2 के अहम मुकाबले में भारत के खिलाफ पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह मुकाबला ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच है, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दोनों एशियाई टीमों के लिए यह मैच जीतना बेहद जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान सुपर 6 ग्रुप 1 से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं, जबकि इंग्लैंड सुपर 6 ग्रुप 2 से क्वालीफाई कर चुका है। इंग्लैंड के ग्रुप 2 से पहले ही क्वालीफाई कर लेने के बाद, अब सिर्फ एक स्थान के लिए मुकाबला है। भारत तीन मैचों में तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट 3.337 है, जबकि पाकिस्तान तीन मैचों में दो जीत के साथ तीसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट 1.484 है। भारत पर जीत से पाकिस्तान के अंक भारत के छह अंकों के बराबर हो जाएंगे, लेकिन भारत के बेहतर नेट रन रेट को पार करने के लिए उन्हें बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी। आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली भारतीय टीम के लिए जीत ही काफी होगी। गौरतलब है कि भारत इस टूर्नामेंट में अब तक अपराजित है।

बदल गया बचत का तरीका: आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार एफडी छोड़ शेयर में पैसा लगा रहे हैं भारतीय

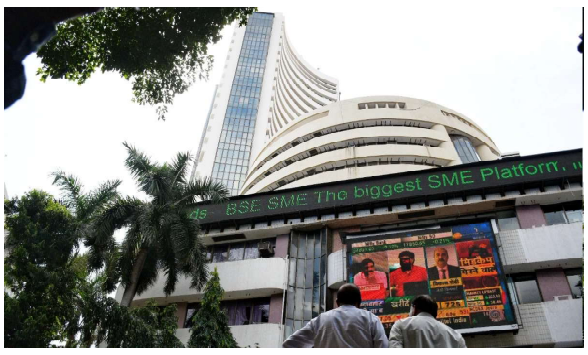

आपको याद होगा कि साल 2020 में **'Scam 1992'** वेब सीरीज आई थी। इसमें हर्षद मेहता का किरदार प्रतीक गांधी ने निभाया है। हर्षद मेहता को एक समय शेयर मार्केट की दुनिया का किंग कहा जाता था। इस वेब सीरीज में प्रतीक गांधी का एक डायलॉग है– इश्क है तो रिस्क है। इस डायलॉग को वह शेयर मार्केट में पैर रखते थे समय अपने भाई से कहते हैं। अब ऐसा ही कुछ भारतीयों के साथ भी हो रहा है। क्योंकि अब भारतीयों के निवेश का तरीका बदल गया है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक वे अब शेयर मार्केट में ज्यादा निवेश करते हैं। शेयर मार्केट में रिटर्न ज्यादा मिलने की उम्मीद रहती है। हालांकि अब पैसा डूब भी सकता है। तभी इसमें रिस्क भी ज्यादा बढ़ गया है। यदि आपको ज्यादा रिटर्न से प्यार है, तो रिस्क ले सकते हैं। वर्ष 2012 की बात करें तो लोग अपनी कुल बचत का 57.9% हिस्सा बैंक जमा में रखते थे। वहीं, वित्त वर्ष 2025 में घटकर 35.2% रह गया है। इससे यह पता चलता है कि अब लोग शेयर बाजार जैसे निवेश के उन विकल्पों में पैसा लगाने से नहीं हिचकिचा रहे हैं जिनमें थोड़ा जोखिम होता है।

कितनी हुई शेयर मार्केट में हिस्सेदारी?

– रिजर्व बैंक के हाल ही आंकड़ों से पता चला है कि कुछ घरेलू वित्तीय संपत्तियों में शेयर और इन्वेस्टमेंट फंड की हिस्सेदारी मार्च 2025 तक बढ़कर 23% हो गई है। 6 साल पहले यह 15. 7% थी।

– शेयर बाजार में आम लोगों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2014 में 8% से कम थी जो सितंबर 2025 के अंत तक करीब 9. 6% हो गई।

– इनडायरेक्ट हिस्सेदारी (म्यूचुअल फंड के जरिए) इसी दौरान करीब तीन गुना बढ़कर 9.2% तक पहुंच गया है।

– वार्षिक घरेलू वित्तीय बचत में शेयर और म्यूचुअल फंड की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2012 के करीब 2%से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 15.2% से ज्यादा हो गई है।

– वित्त वर्ष 2014 में आम लोगों की कुल इक्विटी होल्डिंग केवल 8 लाख करोड़ रुपये थी, जो सितंबर 2025 तक बढ़कर करीब 84 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

– वित्त वर्ष 2022 में बैंकों में बचत का जमा होने वाला हिस्सा गिरकर 31.95% के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था।

लोग बैंक को छोड़ रहे हैं क्या?

एक सर्वे के मुताबिक, बैंक डिपॉजिट में आई यह गिरावट के कारण लोगों ने बैंकों को छोड़ दिया है। बल्कि लोगों ने पारंपरिक तरीकों को पूरी तरह बंद करने बजाय अपनी मौजूदा बचत में शेयर बाजार को भी जोड़ चुका है। इस समय कम जोखिम वाले बॉण्ड प्रोडक्ट्स में लोग कम पैसा लगा रहे हैं।

ट्रंप के पीस बोर्ड को इजरायल ने धुएं में उड़ाया, गाजा पर किया बड़ा अटैक, 24 की मौत

इजराइल ने बीते हफ्तों में हुए इजराइली हमले में एक सबसे तेज हवाई हमले किए। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में एक पुलिस स्टेशन, कई घर और टेंट निशाना बने हैं। हमले में तीन बच्चों के साथ–साथ कम से कम 24 लोग मारे गए। दरअसल इजराइल का यह दावा है कि सीजफायर का उल्लंघन करने के बाद यह जवाबी कारवाई की गई है। दूसरी तरफ फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक 24 आम नागरिकों की जान गई है जिसमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। गाजा सिटी में शनिवार को

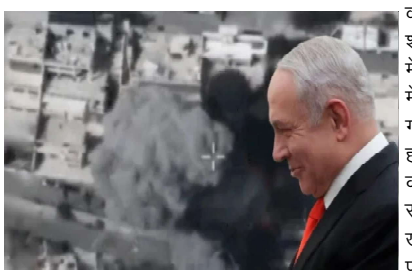

अपार्टमेंट इमारत तबाह हो गई। जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक बुजुर्ग महिला, उसकी बेटी और तीन बच्चियां शामिल हैं। परिवार वालों और डॉक्टरों ने इसकी पुष्टि की। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वाफा के मुताबिक शनिवार को गाजा पट्टी में अलग–अलग हमलों में कुल 12 लोग मारे गए। इजराइली सेना ने हमले की जांच की बात कही है। यह घटना राफा, सीमा चौकी खुलने से एक दिन पहले हुई। और एक बड़ी खबर आपको बता दें ईरान के कम से कम सात शहरों में एक साथ धमाके हुए। तैहरान, बंदर, अब्बास, सबरी, परम, केशव, नौशर और अर्धवल में एक साथ धमाके हुए। यह धमाके उत्तर दक्षिण पूर्व और पश्चिम सभी

अभिरुप व राज निषाद बने मिस्टर फेयरवेल, तनिष्का व दिव्यांशी को मिला मिस फेयरवेल का खिताब

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोरखपुर। एकेडमिक ग्लोबल स्कूल में शनिवार को गुड लक पार्टी व विदाई समारोह आयोजित किया गया।इस दौरान अभिरुप और राज निषाद को संयुक्त रूप से मिस्टर फेयरवेल जबकि तनिष्का और दिव्यांशी को मिस फेयरवेल के खिताब से नवाजा गया। विद्यालय के निदेशक द्वारा चयनित विद्यार्थियों को सैश एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष संजीव कुमार, निदेशक राजेश कुमार, प्रिंसिपल वीसी चाको तथा एडमिनिस्ट्रेटर अफरोज खान ने विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने परीक्षा की तैयारी को लेकर समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और अनुशासन को सफलता की कुंजी बताया।कार्यक्रम में कोऑर्डिनेटर अजय रावत एवं अर्चना पाठक ने सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने छात्रों को विद्यालय में बिताए पलों को जीवनभर याद रखने और विद्यालय का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी।फेयरवेल कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिससे माहौल उल्लासपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एकेडमिक ग्लोबल स्कूल में आयोजित हुआ फेयरवेल व गुड लक पार्टी

गोरखपुर। पिपराइच रोड स्थित जंगल धुषण स्थित एकेडमिक ग्लोबल स्कूल में दसवीं के छात्रों के लिए शुक्रवार को गुड लक पार्टी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों एवं मुख्य अतिथि के तिलक एवं स्वागत से हुआ। इसके पश्चात पुष्पगुच्छ भेंट, दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रार्थना नृत्य प्रस्तुत किया गया। छात्रों द्वारा गिटार वादन, कविता पाठ, स्किट आदि का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर प्रेरक वक्ता द्वारा मोटिवेशन सेशन का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। प्रथम मोटिवेशन सत्र के उपरांत जलपान की व्यवस्था की गई। इसके बाद द्वितीय मोटिवेशन सत्र में छात्रों को परीक्षा की तैयारी एवं जीवन में सफलता के सूत्र बताए गए।शिक्षकों ने भी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। धन्यवाद ज्ञापन छात्रा समृद्धि शुक्ला द्वारा किया गया।

विधायक अनिल त्रिपाठी का सर्व समाज में है पेठ, मिल रहा अपार जन समर्थन

मेंहदावल से कैंपियरगंज टू गोरखपुर के लिए बस सेवा हुई प्रारंभ मेहदावद विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का सदेंश

संतकबीरनगर। मेंहदावल से कम्पियर गंज टू गोरखपुर के लिए परिवहन निगम की बस सेवा प्रारंभ हुई ! परिवहन निगम की बस सेवा प्रातः 8–40 से मेंहदावल बस स्टेशन से कम्पियरगंज टू गोरखपुर के लिए प्रस्थान कर रही है ! उक्त की जानकारी बस स्टेशन प्रभारी राम सेवक राय ने दी जानकारी, आपको बता दें पिछले दिनों मेंहदावल बस स्टेशन से नंदौर से सेमरियावा टू बस्ती के लिए परिवहन निगम की बस सेवा प्रारंभ हो चुकी है, काफी समय से यात्रियों की मांग पर उपरोक्त स्थानों तक परिवहन निगम की बस सेवा मेंहदावल विधायक अनिक त्रिपाठी के पत्राचार के बाद प्रारंभ की गयी है, राय ने कहा कि जिन यात्रियों को कम्पियर गंज व मेडिकल कॉलेज तथा गोरखनाथ मंदिर आदि स्थानों तक की यात्रा करनी हो उनके लिए बस यात्रा अब मेंहदावल बस स्टेशन से कंम्पियरगंज टू गोरखपुर की सेवा प्रारंभ हो गयी है, लोगो ने यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम की बस सेवा प्रारंभ कराऐ जाने पर मेंहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी से लेकर परिवहन विभाग को बधाई दी।

जमीन पर लेटी एक लड़की के ऊपर हाथ रखे दिखे ब्रिटिश प्रिंस, पीएम स्टार्मर ने दिया बड़ा बयान

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने शुक्रवार देर रात जेफ्री एपस्टीन सेक्स स्कैंडल से जुड़ी नई फाइलें जारी कीं। इन दस्तावेजों में बताया गया है कि एपस्टीन नाबालिग लड़कियों का रोज कई बार यौन शोषण करता था। कुछ तस्वीरों में ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू को जमीन पर लेटी एक लड़की के ऊपर हाथ रखे दिखाया गया है। ट्रंप प्रशासन पिछले कुछ समय से कोर्ट के आदेश के बाद यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दशकों पुराने सरकारी रेकॉर्ड पब्लिक कर रहा है। अब जारी हुई नई फाइलों में 30 लाख पेज, 1 लाख ८ हजार तस्वीरें और 2 हजार से ज्यादा विडियो शामिल है। इन फाइल्स में इलॉन मस्क और एपस्टीन के बीच 2012 और 2013 के दौरान हुए ईमेल एक्सचेंज की जानकारी सामने आई है। ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू के अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी नई फाइलों में नाम आने के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने शनिवार को कहा कि ब्रिटेन के पूर्व राजकुमार एंड्रयू को अमेरिकी संसद की एक समिति के सामने गवाही देनी चाहिए।

चीन की चार दिवसीय यात्रा के बाद जापान लौटते समय पत्रकारों से बात करते हुए स्टारमर ने कहा कि पूर्व राजकुमार को एपस्टीन मामले की जांच कर रहे अमेरिकी सांसदों के साथ पूरी तरह सहयोग करना चाहिए। स्टारमर ने कहा कि जिस किसी के पास भी जानकारी है, उसे वह जानकारी किसी भी रूप में साझा करने के लिए

तैयार रहना चाहिए, जिस रूप में उनसे ऐसा करने के लिए कहा जाए। आप पीड़ित–केंद्रित तभी हो सकते हैं जब आप ऐसा करने के लिए तैयार हों। रॉयटर्स ने बताया कि एंड्रयू, जिन्हें उनके भाई राजा चार्ल्स तृतीय द्वारा शाही उपाधियाँ छीन लिए जाने के बाद अब एंड्रयू माउंटबेटन–विंडसर के नाम से जाना जाता है, ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है और पहले कहा था कि उन्होंने एपस्टीन की दोषसिद्धि के बाद उनसे संबंध तोड़ लिए थे, सिवाय 2010 में न्यूयॉर्क की उस यात्रा के, जहाँ उन्होंने उनके रिश्ते को समाप्त किया था।

अमेरिकी कांग्रेस समिति के सदस्यों ने नवंबर में एंड्रयू से सवालों के जवाब देने की मांग दोहराई, जबकि हाल ही में जारी की गई फाइलों से पता चलता है कि एपस्टीन और एंड्रयू ने संभावित व्यापारिक सौदों, सामाजिक मुलाकातों और महिलाओं से परिचय के बारे में चर्चा की थी, जिसमें एक ईमेल भी शामिल है जिसमें एपस्टीन ने तीन महिलाओं को बकिंघम पैलेस लाने की पेशकश की थी। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, एपस्टीन के पत्रों में एंड्रयू का नाम सैकड़ों बार आता है, जिनमें बकिंघम पैलेस में रात्रिभोज के निमंत्रण और महिलाओं से परिचय कराने के प्रस्ताव शामिल हैं। एपी ने एपस्टीन फाइलों में एलोन मस्क, रिचर्ड ब्रैनसन और बिल गेट्स जैसे प्रौद्योगिकी और व्यापार जगत के नेताओं के साथ–साथ मीडिया और खेल जगत के कार्यकारी जोनाथन टिस्क की उपस्थिति का भी विस्तृत विवरण दिया है।

चोरी का माल बरामद, तीन गिरफ्तार

जौनपुर(आरएनएस)। थाना मुंगराबादशाहपुर पुलिस द्वारा तीन लोगों को गिरफ्तार उनके कब्जे से एक ग्राइन्डर कटर मशीन,2727 रूपये नगद व अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार मुंगराबादशाहपुर पुलिस मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना पर पंजीकृत धारा 303ध्331(4)ध् 317(2) बीएनएस से सम्बंधित तीन अभियुक्त विकास पटेल पुत्र लाल बहादुर पटेल उर्फ लल्लू निवासी लतहरिया मण्डी गेट के सामने कस्बा मुंगराबादशाहपुर , सोनू मौर्या पुत्र वसन्त लाल उर्फ सुक्खू निवासी मछलीशहर रोड साहबगंज थाना मुंगराबादशाहपुर व. अजीत पटेल उर्फ कप्तान पुत्र छोटे लाल पटेल निवासी पकडी थाना मुँगराबादशाहपुर को तरहटी तिराहा के पास से बरामद चोरी के माल सहित हिरासत पुलिस में लिया गया। बरामदगी में 06 डिब्बा काजू कुल 53.100 किलोग्राम ,02 बैग इलायची कुल 19 किलोग्राम, एक बोरी मे रामदाना कुल 29.400 किलोग्राम,एक बैग मे लौंग कुल 09 किलोग्राम, एक बोरी मे बादाम कुल 11.200 किलोग्राम, 01 ग्राइन्डर कटर मशीन व अभियुक्तगणो के पास से 2727 रूपये नगद बरामद हुआ।

संदिग्ध अवस्था में बालक की लाश ड्रम में मिली

जौनपुर(आरएनएस)। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भगेरी गांव में नीले ड्रम में बालक की लाश संदिग्ध अवस्था में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताते है कि गांव के बृजेश कुमार यादव का चार वर्षीय पुत्र ओम यादव घर के ठीक सामने खेल रहा था। घर से लगभग 50 मीटर की दूरी पर पंचायत भवन के पास गया और खेलते खेलते वहीं से गायब हो गया। परिवार के लोग और ग्रामीण बडी संख्या में जुट कर झाडी और खेतों में काफी देर तक तलाश किया। काफी देर तक तलाश करने के बाद भी जब वह नहीं मिला तो लोगों ने पुलिस को दी। घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों में मिलकर ढूंढना शुरू किया तो पंचायत भवन के एक कमरे में ओम यादव की लाश नीले रंग के एक ड्रम में अंधे हुए मुंह के बगल पडी हुई थी। ड्रम में ना तो पानी था ना और कोई सामान भरा हुआ था। मौत का कारण साफ करने के लिए पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना को लेकर जितना मुंह उतनी बातें कही जा रही है।

तीन पर मारपीट का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के केदौरा परसरवा भटनी गांव की निशा देवी पत्नी महन्थ लाल पटेल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि तीस जनवरी की सुबह नौ बजे झाडू लगाने के विवाद में पड़ोसी गालीगलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों देशराज पुत्र रामकृपाल, विजय कुमार व उसकी मां ने पीड़िता व उसके बच्चों रागिनी व कोमल को मारापीटा तथा जानलेवा धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पति पर मारपीट का दर्ज कराया केस

लालगंज, प्रतापगढ़। पति पर मारपीट व धमकी का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने पुलिस ने तहरीर सौपी है। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के मंगापुर गांव की पूनम देवी पत्नी संतोष उपाध्याय ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसके पति गाली देते हुए उसे जबरन मारते पीटते हैं। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी पति दूसरी शादी करने की धमकी भी देते हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपी पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की ससम्मान विदाई

बाराबंकी। जनपद में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए उपनिरीक्षक राज कुमार तिवारी, अनिल कुमार शर्मा, वीरेन्द्र कुमार, महेन्द्र तथा उर्दू अनुवादक सह कनिष्ठ लिपिक हिदायत हुसैन को पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर ससम्मान विदाई दी गयी इस दौरान उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह के अवसर पर क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक पाठक, क्षेत्राधिकारी नगर संगम कुमार व प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार मौजूद रहें।

स्वामी विवेकानंद विचार यात्रा व युवोत्सव संगोष्ठी का भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोन्डा। जनपद में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) गोंडा नगर इकाई द्वारा टाउन हॉल में 'स्वामी विवेकानंद विचार यात्रा' के उपरांत 'युवोत्सव संगोष्ठी' का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 12 जनवरी से चल रहे 'युवा पखवाड़ा' का समापन समारोह रहा।

कार्यक्रम में प्रांत सह मंत्री मुकेश सोनी, विभाग संयोजक आदर्श तिवारी 'आजाद', प्रांत कार्यसमिति सदस्य अशोक पांडेय, जिला संयोजक मनीष कनौजिया, जिला संगठन मंत्री हरिओम, मुख्य वक्ता संगठन प्रवासी व प्रांत सह मंत्री शिवम मिश्रा, जिला प्रमुख डॉ. पवन शुक्ला, डॉ. रंजन शर्मा, डॉ. परमेश्वर सिंह, कार्यक्रम संचालक सूरज चतुर्वेदी तथा नगर अध्यक्ष डॉ. संतोष श्रीवास्तव सहित नगर के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, छात्र एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संगोष्ठी में शिवम मिश्रा ने अभाविप की ध्येय यात्रा एवं स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. पवन शुक्ला ने प्रास्ताविकी के माध्यम से कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. रंजन शर्मा ने 'विद्यार्थी जीवन से विकसित भारत की संकल्पना' विषय पर छात्रों का मार्गदर्शन किया तथा डॉ. परमेश्वर सिंह ने विपरीत परिस्थितियों में विवेक स्थिर रखने की प्रेरणा प्रदान की। अंत में नगर अध्यक्ष डॉ. संतोष श्रीवास्तव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

डक्टर भीमराव अबेडकर चौराहा पर सुलभ शौचालय न होने से जनजीवन प्रभावित

राजेश श्रीवास्तव/
दैनिक बुद्ध का सदेंश

बलरामपुर।सबसे पुरानी तहसील उतरौला आज भी बुनियादी सुविधाओं की दावेदारी में पिछड़ रही है। तहसील मुख्यालय के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक डॉक्टर भीमराव अंबेडकर चौराहा पर प्रतिदिन सैकड़ों यात्रियों का आवागमन होता है। यह मार्ग बलरामपुर तथा गोंडा जिलों को जोड़ता है, जिसमें महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों की भी बड़ी संख्या शामिल रहती है। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर चौराहा पर स्थित है प्रसिद्ध बाबा फक्कड़ दास मंदिर, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पूजा–अर्चना व दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हालांकि, इस अत्यंत व्यस्त चौराहे पर आज तक एक भी सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण नहीं हो सका है, जिससे स्थानीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यह चौराहा न केवल ट्रैफिक का मुख्य केंद्र है, बल्कि सुबह से लेकर शाम तक यहां घंटों यातायात बना रहता है। इसके बावजूद सबसे आवश्यक एवं मूलभूत सुविधा सार्वजनिक शौचालय का घोर अभाव है। शौचालय की कमी का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। महिलाओं को विशेष रूप से असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जबकि बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह स्थिति शारीरिक व मानसिक परेशानी का कारण बन रही है। स्थानीय व्यापारियों और राहगीरों को भी शौचालय न होने के कारण निरंतर कठिनाइयों से जूझना पड़ता है।

वैवाहिक व धार्मिक आयोजनों में भी बढ़ती है परेशानी

स्थानीय लोगों ने एक और महत्वपूर्ण तथ्य की ओर ध्यान दिलाया है कि बाबा फक्कड़ दास मंदिर केवल दैनिक पूजा स्थल ही नहीं, बल्कि नगर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों के लिए एक प्रमुख धार्मिक व सामाजिक केंद्र भी है। इस मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में लोग अपने पुत्र–पुत्री के विवाह से पूर्व गोद भराई, या वर वधू के छींके, तथा अन्य छोटे–मोटे वैवाहिक एवं पारिवारिक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन अवसरों पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की उपस्थिति और अधिक बढ़ जाती है, लेकिन शौचालय की कोई व्यवस्था न होने से उन्हें भारी असुविधा झेलनी पड़ती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ऐसे आयोजनों के दौरान बाहर से आने वाले मेहमानों को शौचालय न मिल पाना नगर की छवि को भी प्रभावित करता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर पालिका परिषद उतरौला और संबंधित जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन आज तक किसी भी स्तर पर कोई ठोस पहल नहीं की गई।स्थानीय महिला संगठनों और युवा समुदाय का कहना है कि यह चौराहा महिलाओं और किशोरियों के लिए अत्यंत असुविधाजनक और असुरक्षित बन चुका है। उन्हें न तो सुरक्षित और न ही स्वच्छ शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो पा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय की कमी केवल स्वच्छता की समस्या नहीं, बल्कि यह स्वास्थ्य, सुरक्षा और मानवीय गरिमा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। खुले में शौच से संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है, वहीं महिलाओं के लिए यह स्थिति सुरक्षा की . ष्टि से भी जोखिमपूर्ण हो जाती है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर चौराहा पर तत्काल सुलभ शौचालय का निर्माण किया जाए, अलग–अलग महिला एवं पुरुष शौचालय बनाए जाएं, हैंड वॉश व स्वच्छता धारा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, शौचालयों का निरंतर रखरखाव एवं सफाई कराई जाए। एक स्थानीय व्यापारी ने कहा यह जगह इतनी भीड़–भाड़ वाली है, फिर भी एक बुनियादी जरूरत शौचालय उपलब्ध नहीं है। प्रशासन को तत्काल कदम उठाना चाहिए। उतरौला तहसील एक विकासशील एवं ऐतिहासिक केंद्र होने के बावजूद आज भी बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रही है। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर चौराहा पर सुलभ शौचालय का अभाव केवल एक सुविधा की कमी नहीं, बल्कि यह सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर जनहित का मुद्दा बन चुका है।

बलहा के बंजरिया में बनी गौशाला की हालत हुई बद से बद्तर

कई गोवंशों की बीमारी के नाते हुई मौत,गौवंशों को नोच नोच कर खा रहे कुत्ते दे रहे चुनौती

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। ब्लॉक बलहा के ग्राम पंचायत बंजरिया में गौशाला बना हुआ है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गौशाला में करीब 200 गौवंश मौजूद थे लेकिन कई गोवंश की तबीयत खराब होने के कारण व सही से देख रेख ना होने के कारण गौशाला में सुचारू व्यवस्था न होने के कारण और डॉक्टर ना मौजूद होने के कारण कई गोवंश की मृत्यु हो गई जिसको रात में नहर पर पटवा दिया गया। इसका जिम्मेदार कौन है ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी ,इन पर कौन अधिकारी मेहरबान जो इस तरह के गोवंश की मृत्यु हो रही है। जिले के सीवीओ , बीडीओ की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि लोकेशन के साथ तस्वीरें जिम्मेदार अधिकारियों को चुनौती दे रही है और कुत्ते नोच नोच कर खा रहे हैं जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान जबकि माननीय मुख्यमंत्री जी का आदेश हैं कि गायों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाए लेकिन ग्राम पंचायत बंजरिया नई बस्ती कलंदर पुरवा में गौशाला का यह हाल देखने को मिला है क्या ऐसे गौशालाओं पर ग्राम पंचायत के प्रधान सचिव पर व ग्राम पंचायत अधिकारियों पर होगी कोई कार्रवाई। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल वीडियो वायरल होने के बाद देखना यह है कि खंड विकास अधिकारी सीवीओ की खुलेगी नीद या फिर योगी के आदेश सिर्फ कागज पर रहेंगे सीमित क्योंकि बलहा के जिम्मेदार और सीवीओ पर जिला प्रशासन भी बना अंजान जिससे इस तरह की तस्वीरे जिम्मेदार पर उठा रही सवाल।

सामाजिक समरसता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नानपारा/मिहींपुरवा। बहराइच जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह के दिशा निर्देशन में आज कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता अवध राज पासवान के प्रतिष्ठान गायघाट पर संत शिरोमणि रविदास के जयंती पर सामाजिक समरसता कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें मुख्य रूप से बेस्ट कांग्रेस नेता विनय सिंह जिला महासचिव एवं मीडिया प्रभारी राशिद अली जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव तथा बलहा प्रभारी मालती पासवान जिला अध्यक्ष कांग्रेस सेवा दल विष्णु यादव नेता रविंद्र स्वरूप ब्लॉक अध्यक्ष रसिया मुबारक खान आदि नेताओं ने संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण करके उनके द्वारा देश समाज में किए गए सामाजिक धार्मिक तथा रचनात्मक कार्यों की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि संत रविदास ने कहा था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। उन्होंने सामाजिक समरसता पाखंड अंधविश्वास सहित तमाम सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों को लामबंद करके अपने नित और नियत तथा सिद्धांतों पर चलकर सामाजिक उत्थान के लिए आजीवन प्रयास किया। तत्पश्चात कांग्रेस जनों ने जिला कांग्रेस कमेटी का सचिव तथा जिला कांग्रेस सेवा दल के संगठन मंत्री एवं कांग्रेस संक्रमण काल के जेल यात्री नत्था राम वर्मा के आवास पर ग्राम रामसहाय पुरवा गोपिया में तथा पूर्व ब्लाक अध्यक्ष स्वर्गीय सुभाष लाट के प्रतिष्ठान परवानी गौढी मिहीपुरवा पहुंचकर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं–और कार्यकर्ताओं ने सरैंया गांव में जनाब वासिफ अली के कयादत में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत चौपाल लगाकर केंद्र और प्रदेश भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा का अस्तित्व समाप्त किए जाने जैसे घृणित मंसा को उजागर करते हुए हर हाल में मनरेगा बचाने पर चर्चा की गई , साथ ही शासन के मंसूबों को सफल करने के लिए बड़े पैमाने पर संघर्ष की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर समस्त कांग्रेस नेताओं ने आगामी कल 2 फरवरी को प्रवेश मुख्यालय पर मनरेगा बचाओ विशाल रैली में अधिक से अधिक संख्या में लोगों से शिरकत करने की अपील की। इस अवसर पर अवध राज पासवान शिवसागर वर्मा मोबीन अहमद मोहम्मद अयूब अरविंद पासवान रामू निषाद रमेश शाक्य शमशेर बहादुर राणा शिव कुमार रस्तोगी प्रेम कुमार वर्मा एहसान वारिस राम नरेश यादव सादात अहमद सहित तमाम लोगों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किया।

भारी मरम्मत के चलते फरवरी मार्च में बंद होगा घाघरा घाट संजय सेतु

लखनऊ आने जाने वाले यात्रियों को सीतापुर या अयोध्या से होकर जाना पड़ेगा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच/गोंडा। लखनऊ. गोंडा.बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित घाघराघाट का संजय सेतु फरवरी से मार्च तक पूरी तरह बंद किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो राजधानी लखनऊ से पूर्वी यूपी के कई जिलों का सीधा सड़क संपर्क टूट जाएगा। प्रशासनिक अनुमति मिलते ही पुल पर छोटे–बड़े सभी वाहनों की आवाजाही रोक दी जाएगी, जिसका सीधा असर हर दिन 50 हजार से अधिक यात्रियों पर पड़ेगा।

दो साल से मरम्मत, अब पूर्ण बंदी की तैयारी

पिछले दो वर्षों से लगातार खराबी झेल रहा संजय सेतु एक बार फिर बड़ी मरम्मत की जद में है। कभी पैचवर्क, कभी ट्रैफिक रोक, तो कभी आंशिक बंदी.लेकिन समस्या जस की तस।अब एनएच सूत्रों के अनुसार फरवरी के दूसरे सप्ताह से दो महीने तक भारी रिपेयर कार्य प्रस्तावित है, जिसके चलते पुल को पूरी तरह बंद करना पड़ सकता है। राजधानी से कटेंगे बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती,संजय सेतु बंद होने का मतलब. लखनऊ से बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती का सीधा संपर्क समाप्त,मरीज, छात्र, वकील, व्यापारी और कर्मचारी सब बेहाल,एंबुलेंस और आपात सेवाओं पर भी संकट।लोगों को मजबूरी में 60 किलोमीटर लंबा चहलारी घाट मार्ग या अयोध्या होकर लखनऊजाना पड़ेगा, जिससे समय और खर्च दोनों कई गुना बढ़ जाएंगे। सड़क के बाद रेल भी धोखा देगी मुसीबत यहीं खत्म नहीं होती। फरवरी.मार्च में ही गोंडा. बुढ़वल रेलखंड पर तीसरी लाइन का कार्य प्रस्तावित है।कई ट्रेनें रद्द होंगी,अधिकांश ट्रेनों का रूट अयोध्या.बाराबंकी से डायवर्ट किया जाएगा। यानी लखनऊ आने–जाने वालों के लिए सड़क भी बंद, रेल भी बाधित . जनता दोनों तरफ से फंस जाएगी।अनुमति का इंतजार एनएचआई के सहायक अभियंता अनंत मौर्य ने बताया कि. ष्घाघरा घाट संजय सेतु के रिपेयर को लेकर सर्वे लगभग पूरा हो चुका है। फरवरी के दूसरे सप्ताह से कार्य शुरू किया जाएगा। बहराइच और बाराबंकी के जिलाधिकारियों से आवागमन अस्थायी रूप से रोकने की अनुमति मांगी गई है।ष बड़ा सवालरू सरकार तैयार है या जनता फिर भुगतेगी?कुल मिलाकर संजय सेतु की संभावित बंदी लाखों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर सीधा हमला है।अब बड़ा सवाल यही है.क्या सरकार वैकल्पिक व्यवस्था करेगी?या फिर जनता एक बार फिर जाम, चक्कर और खर्च के दलदल में धकेली जाएगी ? संजय सेतु की बंदी अब सिर्फ मरम्मत नहीं, प्रशासनिक परीक्षा बन चुकी है।

महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

लालगंज, प्रतापगढ़। मिशन शक्ति अभियान के तहत सांगीपुर पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी दी। इसके साथ ही पुलिस टीम द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन 181 समेत 1076, 112, 1098, 1930 आदि हेल्पलाइन नंबरों के बाबत जानकारी देते हुए जागरूक किया। पुलिस टीम ने उन्हें किसी भी प्रकार की घटना दुर्घटना पर पुलिस से बेझिझक सम्पर्क करने पर त्वरित कार्रवाई होने के प्रति विश्वास दिलाया।

हत्या के बाद टूटा परिवार,हाईकोर्ट के पूर्व उपाध्यक्ष ने आर्थिक मदद व विधिक सहायता का दिया भरोसा

दैनिक बुद्ध का सदेंश

गोन्डा। जनपद के इटियाथोक थाना क्षेत्र के करूआ पारा गांव निवासी अरुण तिवारी की बीते दिनों चंडीगढ़ के एक होटल में चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की सूचना पाकर हाईकोर्ट के पूर्व उपाध्यक्ष गणेश नाथ मिश्रा गांव

पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने मृतक की पत्नी नेहा तिवारी को ढांढस बंधाते हुए आर्थिक सहायता प्रदान की तथा न्याय दिलाने के लिए हर संभव विधिक सहयोग का आश्वासन दिया।मिली जानकारी के अनुसार मृतक अरुण तिवारी अपने परिवार के एकमात्र सहारे थे। उनकी दो बेटियां हैं.एक की उम्र मात्र छह वर्ष और दूसरी अभी पांच माह की है। पति की असमय मौत के बाद अब दोनों मासूम बच्चियों के पालन–पोषण की पूरी जिम्मेदारी उनकी मां नेहा तिवारी के कंधों पर आ गई है। अधिवक्ता गणेश नाथ मिश्रा ने समाज के जिम्मेदार लोगों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे आगे आकर पीड़ित परिवार की मदद करें, जिससे बेटियों का भविष्य सुरक्षित हो सके। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। इस दौरान करूआ पारा के पूर्व ग्राम प्रधान धीरेंद्र शुक्ल, बी.एन. तिवारी, राजेश ओझा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन एवं मणी स्पेशियलिटी अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन रविवार को मणी हॉस्पिटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी धर्मराज सिंह ने फीता काटकर संगठन एवं डॉक्टरों को शुभकामना संदेश दिया। यह निशुल्क कैंप सुबह 9रू00 बजे से 4रू00 बजे तक चला कैंप में डॉ अशोक यादव एवं डॉ पीके रंजन मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया। कैंप के दौरान एक ओर जहां शुगर जांच , 2क इको, लिपिड प्रोफाइल सहित कई जांच निशुल्क की गई। वहीं दूसरी ओर लगभग 150 मरीजों को ओपीडी से लाभान्वित किया गया ।संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य, जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है यदि शरीर स्वस्थ है तभी मन, परिवार, व्यापार, और समाज स्वस्थ रह सकता है आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर अपने स्वास्थ्य को नजर अंदाज कर देते हैं और बीमारी होने पर ही डॉक्टर के पास जाते हैं इसी कमी को दूर करने के लिए उद्देश्य से इस निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया है ताकि समय रहते रोग की पहचान हो सके और लोगों को सही परामर्श मिल सके उन्होंने आगे कहा कि व्यापार संगठन केवल व्यापार और आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है हमारा संगठन हमेशा यह मानता रहा है कि व्यापार के साथ–साथ

समाज सेवा भी हमारा कर्तव्य है जब समाज स्वस्थ रहेगा तभी व्यापार फलेगा फूलेगा और राष्ट्र सशक्त बनेगा इसी सोच के तहत आज हम स्वास्थ्य जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर यह सेवा कार्य कर रहे हैं उन्होंने कहा कि मैं विशेष रूप से मणि हॉस्पिटल के समर्पित चिकित्सकों नर्सिंग स्टाफ एवं तकनीकी टीम का अभिनंदन करना चाहता हूं जिन्होंने अपने बहुमूल्य समय में से समय निकालकर इस शिविर को सफल बनाने में सहयोग दिया आप सभी डॉक्टर गण वास्तव में धरती पर ईश्वर के रूप में जो बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह शिविर उन लोगों के लिए भी अत्यंत लाभकारी है जो आर्थिक या अन्य कारणों से नियमित स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते यहां उन्हें निशुल्क परामर्श जांच एवं उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाव संभव हो सके। उन्होंने कहा कि संगठन के पदाधिकारीयों, सदस्यों एवं व्यापारियों को भी धन्यवाद देता हूं जिनके समर्पण सहयोग और सेवा भावना से यह आयोजन संभव हो पाया जब संगठन एकजुट होकर समाज हित में कार्य करता है तो उसका प्रभाव एवं परिणाम दूरगामी होता है उन्होंने कहा कि आगे भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे हमारा प्रयास रहेगा कि भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक कल्याण से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा दी जाए व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि इस निशुल्क चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं चिकित्सकों की सलाह का पालन करें और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे स्वस्थ समाज ही समृद्ध समाज की नींव है। निशुल्क शिविर में लगभग सौ नागरिकों को चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन, जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह, जिला कोषाध्यक्ष शरद जायसवाल, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष धर्मराज सिंह, राजेश जायसवाल, राजू , रवि जायसवाल, टीपू अली, दीप सिंह पटेल, , विनोद जायसवाल,नगर महामंत्री जसकीरत सिंह,नगर संयोजक अमित अग्रवाल , सुनील सरोज, सुनील सोनी, प्रतीक केसरी, शिवम केसरी, अमित वर्मा,आदि लोग उपस्थितरहे।

बजट में सभी वर्गों को ध्यान रखा गया है– रूबी प्रसाद

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सोनभद्र। निर्मला सीतारमन केन्द्रीय वित्त और कॉरपोरेट कार्य

मंत्री, भारत सरकार द्वारा संसद में वर्ष 2026–27 का केन्द्रीय बजट प्रस्तुत किया। उक्त बजट का लाइव प्रसारण रूबी प्रसाद, अध्यक्ष , नगर पालिका परिषद की अध्यक्षता में नगर पालिका के सभाकक्ष में कराया गया। रूबी प्रसाद, अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत बजट की प्रशंसा करते हुये इस बजट को भारत के आम लोगों का एवं समाज के अन्तिम पंक्ति में खड़े लोगों का बजट बताया गया जिसमें समाज के सभी वर्गो का ध्यान रखा गया एवं प्रधानमंत्री के सबका–साथ, सबका–विकास एवं सबका–प्रयास के नारे को चरितार्थ किया गया। बजट में आयकर एवं जी0एस0टी0 के सरलीकरण से भारत के मध्यम वर्ग के लोगों को जो राहत प्रदान की गयी है उसका परिणाम आवश्यक रूप से दूरगामी पड़ेगा। अध्यक्ष द्वारा विकसित भारत के सपनों को एक नई उड़ान प्रदान करने वाले इस बजट के लिये प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय वित्त मंत्री का आभार प्रकट किया गया।उक्त कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सदस्यगण अनवर अली, राकेश कुमार, भैयालाल, मनोज चौबे, ओमप्रकाश सिंह, मुकेश कुमार सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, चन्द्रप्रकाश दूबे, हीरावती देवी, सितारा देवी, नजबुन निशा, अनीता देवी, प्रियंका, नेहा सोनी, हेना, उषा जैन, दीपिका गुप्ता आदि के साथ नगर के गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही।

गोंगपा कार्यकर्ताओं ने जयंती पर संत शिरोमणि रविदास को किया याद

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सोनभद्र। गोंडवाना गणतंत्र

पार्टी (गोंगपा) द्वारा रविवार को तेलगुड़वा स्थित पार्टी के जिला कार्यालय संत शिरोमणि रविदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि गोंगपा उत्तर प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट संतोष कुमार गौतम ने सर्वप्रथम संत शिरोमणि रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण किया, उसके बाद बारी–बारी से सभी कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित किया। कार्यकर्ताओं ने रविदास जी को याद करते हुए उनके मार्ग का अनुशरण करने का संकल्प दुहराया।मुख्य अतिथि गोंगपा के उत्तर प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष एडवोकेट संतोष कुमार गौतम ने कार्यकर्ताओं को संगठित होकर कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि सरकार में शामिल होने के लिए एकजुटता जरूरी है।एससी/एसटी के लोगों के ऊपर आए दिन हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न की घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि धरना–प्रदर्शन के माध्यम से ही अब गोंगपा कार्यकर्ताओं की समस्या का निदान होगा।अध्यक्षता कर रहे गोंगपा के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया ने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विजयगढ़ दुर्ग पर तीन दिवसीय विराट आदिवासी मेले का आयोजन 25 से 27 फरवरी 2026 तक किया गया है। इसमें आदिवासी कन्याओं का सामुहिक विवाह भी होगा। जिसकी तैयारी में अभी से कार्यकर्ता जुट जाएं, ताकि कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हो सके। उन्होंने पंचायत चुनाव के मद्देनजर भी कार्यकर्ताओं को तैयारियों में जुटने का आह्वान किया है। इसी प्रकार अन्य वक्ताओं ने भी विभिन्न समस्याओं पर ध्यान आ.ष्ट कराया है। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला संगठन सचिव हीरालाल मरपच्ची ने किया। इस मौके पर चन्द्रशेखर साहनी, ज्ञानी सिंह पोया, अयोध्या प्रसाद टेकाम, हीरालाल मरकाम, चंद्रदेव चेरो, अर्जुन चेरो, शरद कमरो, रामचंद्र टेकाम आदि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

को मिला मेडल और प्रशस्ति पत्र, प्रभारी निरीक्षक ने बढ़ाया मान

दैनिक बुद्ध का सदेंश

संत कबीरनगर।दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम महाकुंभ मेला में अपनी विशिष्ट

सेवाएं देने वाले होमगार्ड के जवानों के लिए रविवार के दिन गौरवपूर्ण रहा। धनघटा थाने से महाकुंभ ड्यूटी पर तैनात किए गए होमगार्ड जवानों को उनकी उत्कृष्ट सेवा, समर्पण और कठिन परिस्थितियों में मुस्तैदी के लिए मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी ने किया उत्साहवर्धन: आज धनघटा थाने में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दूबे ने सम्मानित जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जैसे चुनौतीपूर्ण आयोजन में शांति व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं की सेवा करने में होमगार्ड के जवानों ने जो भूमिका निभाई है, वह सराहनीय है।अनुशासन और सेवा भाव का मिला फलः सम्मानित होने वाले जवानों ने महाकुंभ की भीड़ और कठिन मौसम के बीच भी अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया था। प्रभारी निरीक्षक ने मेडल पहनाकर उनका उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि ष्वर्दी का असली सम्मान जनता की सेवा में है, और इन जवानों ने इसे साबित किया है।ष्इस मौके पर थाने के अन्य पुलिसकर्मी और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने जवानों की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। ष्सम्मान सेवा का, गौरव धनघटा का महाकुंभ मेला में अपनी बेहतरीन सेवाओं के लिए धनघटा थाने के होमगार्ड जवानों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रभारी निरीक्षक श्री जयप्रकाश दूबे जी ने जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सोनभद्र की सुल्लवी कुमारी ने रचा इतिहास, बढ़ाया जनपद का मान

दैनिक बुद्ध का सदेंश

सोनभद्र। हरियाणा राज्य की राजधानी चंडीगढ़ स्थित हॉलीडे इन होटल में आयोजित मावेन मिस प्लस साइज इंडिया 2025 (सीज़न 8) में सोनभद्र की बेटी सुल्लवी कुमारी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतियोगिता में टॉप 15 फाइनलिस्ट में स्थान प्राप्त किया और साथ ही मिस बोल्ड एंड ब्यूटीफुल का खिताब जीतकर जिले का नाम रोशन किया।शक्तिनगर क्षेत्र के कोहरौलिया गांव की रहने वाली सुल्लवी कुमारी ने बताया कि इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। यह प्रतियोगिता विशेष रूप से प्लस साइज और कर्वी महिलाओं को आत्मविश्वास देने, अपने शरीर को अपनाने और स्वयं से प्रेम करना सिखाने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है, ताकि वे समाज के लिए प्रेरणा बन सकें। सुल्लवी कुमारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उन्होंने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें टॉप 15 में जगह मिली और साथ ही मिस बोल्ड एंड ब्यूटीफुल का खिताब भी मिला। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा सम्मान है और वे इस उपलब्धि को अपने परिवार और जिले के लोगों के साथ साझा करना चाहती हैं। सुल्लवी कुमारी की इस उपलब्धि पर उनके परिवार और जिले के लोगों ने भी बधाई दी है। लोग उन्हें प्रेरणा का स्रोत मान रहे हैं और उनकी इस उपलब्धि को जिले के लिए गर्व का विषय बता रहे हैं।

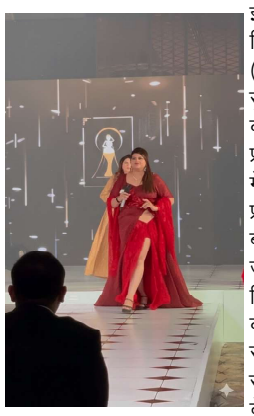

सांड़े खुर्द ने सोहरवलिया की टीम को 40 रन से हराया

मेंहदावल के मिश्रौलिया मिश्र में आयोजित हुआ क्रिकेट प्रतियोगिता

दैनिक बुद्ध का सदेंश

संत कबीरनगर।मेंहदावल विकास खंड के मिश्रौलिया मिश्र ग्राम पंचायत के राजस्व गांव मईला में नव युवक क्रिकेट क्लब द्वारा कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ रविवार को हुआ उद्घाटन मैच में सांड़ेखुर्द ने सोहरवलिया को 40 रन से हरा दिया मैच का उद्घाटन समाजसेवी शैलेंद्र यादव ने फीता काटकर किया।मैच का शुभारंभ करने से पहले शैलेन्द्र यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि कछार क्षेत्र में खेल प्रतियोगिता का आयोजन कराना एक पुनीत कार्य है जिससे यहां के खिलाड़ियों के प्रतिभा का पता चलेगा तथा जिला व मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकेंगे उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करने के बाद फीता काटकर मैच का शुरुआत कराया क्रिकेट मैच दस ओवरों का खेला गया जिसमें सांड़ेखुर्द की टीम ने निर्धारित ओवर में 110 रन बनाया जिसमें सिंटू ने सर्वाधिक 51 रन की पारी खेली जिसके जबाब में सोहरवलिया की टीम ने मात्र 70 रन ही बना सकी शानदार प्रदर्शन के लिए सिंटू को कमेटी द्वारा मैन आफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया इस दौरान ज्ञानेश्वर मिश्र अनुपम मिश्र,अजीत ऊर्फ काजू यादव,शैलेंद्र यादव,पिंटू निषाद,बेचू निषाद,गुलशन कुमार,बृजेश कुमार,विजय प्रकाश,हजरत अली,अच्छेलाल, विकास कुमार,गोविंद समेत तमाम खिलाड़ी व ग्रामीण मौजूद रहे।

धनगड़ा से हाथी–घोड़े, ढोल–नगाड़ों के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

1501 कन्याए, महिला, बुजुर्ग, युवा, नौजवानों ने बढ़ाया आयोजन का मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

परतावल/महराजगंज।नगर पंचायत परतावल के वार्ड संख्या 05/13 धनगड़ा में रविवार को आयोजित श्री श्री विष्णु महायज्ञ के अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हाथी, घोड़े, ढोल नगाड़ों और डीजे की धुनों के बीच निकली यात्रा में 1501 कन्याएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुईं, जबकि युवा श्रद्धालु भक्ति संगीत पर झूमते नजर आए। वैदिक विद्वानों द्वारा शंखनाद और मंत्रोच्चार के बीच कलशों में विधिविधान से जल भरवाया गया। यज्ञाचार्य, सपरिवार यजमान, आयोजन समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगरवासियों ने बढ़–चढ़कर सहभागिता निभाई। मुख्य यज्ञाचार्य पंडित अंशुमान शुक्ल तथा सहयोगी आचार्य पंडित सदानंद मिश्र के मंत्रोच्चार के उपरांत मंदिर परिसर से कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। गजराज की अगुआई में घोड़े, ढोल–नगाड़े और डीजे के साथ निकली यह विशाल शोभा यात्रा धनगड़ा गांव से होते हुए देवीपुर, परसा बुजुर्ग काली मंदिर, नौरंगा टोला, परतावल बाजार, कस्बा शिव मंदिर पोखरे में यज्ञ के यजमान राजेन्द्र गुप्ता एवं उनकी पत्नी तथा चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश मद्धेशिया ने कन्याओं के कलशों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल भर कर तिवारी टोला दुर्गा मंदिर, रामपुर मोड़ वनशक्ति माता मंदिर, सरजू टोला, इमलिया, धरमौली होते हुए धनगड़ा काली मंदिर स्थित यज्ञ स्थल पर पहुंची।

कलश यात्रा को सफल बनाने में आयोजन समिति के साथ साथ क्षेत्राधिकारी सदर जयप्रकाश त्रिपाठी एवं परतावल चौकी प्रभारी अमित कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अखिलेश यादव, अंकित चौरसिया, चंद्रेश यादव, शुभम् चौबे, कॉस्टेबल राजू यादव, कविंद्र, सर्वेंद्र, लोकेश आदि मय फोर्स मौजूद रहे। आयोजन समिति के संरक्षक तिलकधारी मद्धेशिया एवं अध्यक्ष रविन्द्रनाथ मिश्रा ने बताया कि नगर की समृद्धि एवं लोक कल्याण की भावना से इस महायज्ञ का आयोजन किया गया है। 2 फरवरी से 10 फरवरी तक चलने वाले इस महायज्ञ में प्रतिदिन दिन में प्रवचन तथा मानस कथा का आयोजन किया जाएगा। वहीं रात्रि में श्रीधाम अयोध्या से आए कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा। महायज्ञ की पूर्णाहुति 10 फरवरी को महाभंडारे एवं साधु–संतों की विदाई के साथ संपन्न होगी। इस अवसर पर इंजीनियर मनीष गुप्ता, चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश मद्धेशिया, वाल्मीक सिंह, पूर्व प्रधान जयप्रकाश गुप्ता, पूर्व प्रधान .ष्ण मुरारी सिंह, नागेश्वर मिश्र, सभासद अजय मद्धेशिया, राकेश गुप्ता, राजनाथ प्रजापति, द्वारिका वर्मा, देवेन्द्र शर्मा, गोविन्द वर्मा, गोल्डन सिंह, कमलेश्वर सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तीन घंटे में खुलासा : श्यामदेउरवां पुलिस ने जानलेवा हमले के वांछित अभियुक्त को दबोचा

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/परतावल। थाना श्यामदेउरवां पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरतार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जनपद महराजगंज सोमेन्द्र मीणा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी सदर जयप्रकाश त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में की गई। पूरी कार्रवाई थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई।पुलिस के अनुसार थाना श्यामदेउरवां पर पंजी.त मु0अ0सं0 29/2025, धारा 109(1), 351(3), 352 बीएनएस से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त अवधेश भारती पुत्र रग्घू भारती, निवासी ग्राम नटवा जंगल टोला कोईलहिया, थाना श्यामदेउरवां, जनपद महराजगंज को मुखबिर की सूचना पर अमवा पुल के पास से पुलिस हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त ने अपनी पत्नी सीमा देवी पर अवैध संबंध होने के संदेह में विवाद किया। इसी दौरान आक्रोशित होकर अभियुक्त ने जान से मारने की नीयत से चाकू से गले व गर्दन पर हमला कर दिया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल होकर मरणासन्न अवस्था में पहुंच गई। बीच–बचाव करने पर आवेदक को गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई।इस संबंध में पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर दिनांक 01 फरवरी 2025 को थाना श्यामदेउरवां में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से अभियुक्त फरार चल रहा था, जिसे पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के मात्र तीन घंटे के भीतर गिरतार कर लिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

बॉक्स ऑफिस के बादशाह मेगास्टार... माना शंकरा वरप्रसाद गारू विदेशों में भी हिट साबित हुई

मेगास्टार चिरंजीवी का नाम सुनते ही बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदें बदल जाती हैं। इसका ताजा सबूत फिल्म माना शंकरा वरप्रसाद गारू है। संक्रांति 2026 के तोहफे के तौर पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म देश–विदेश में धूम मचा रही है। रिलीज के कुछ ही दिनों में मेगास्टार बॉक्स ऑफिस के बादशाह बन गए। चिरंजीवी और नयनतारा अभिनीत इस फिल्म को खूब सराहा जा रहा है। सिनेमाघरों में हाउसफुल चल रही यह फिल्म पारिवारिक दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। व्यापार सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म का कुल कलेक्शन विश्व स्तर पर 350 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है।

घरेलू बाजार तक ही सीमित नहीं, माना शंकरा वरप्रसाद गारू विदेशों में भी अपनी ताकत दिखा रही है। नवीनतम जानकारी के अनुसार, फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि फिल्म ने विदेशों में 45 लाख डॉलर से अधिक की कमाई की है। यह लगभग 41 करोड़ रुपये के बराबर है। इस अवसर पर, निर्माण कंपनी गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि माना शंकरा वरप्रसाद गारू ने विदेशों में 45 लाख डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने ट्वीट किया, क्षेत्रीय उद्योग की सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर फिल्म का अनुभव सिनेमाघरों में करें। इस पोस्ट को मेगा फैंस से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

माना शंकरा वरप्रसाद गारू क्षेत्रीय फिल्म उद्योग में पहले से ही सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के साथ निर्देशक अनिल रविपुडी ने अपने करियर में एक और रिकॉर्ड बनाया है। यह फिल्म अनिल के करियर की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड बन गई है। व्यापारिक अनुमानों के अनुसार, फिल्म जल्द ही विदेशों में 5 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर सकती है।

माना शंकर वराप्रसाद गारू एक पारिवारिक कॉमेडी फिल्म है जो सभी वर्गों के दर्शकों को प्रभावित कर रही है। चिरंजीवी की दमदार उपस्थिति, हास्य अभिनय और भावुक दृश्य फिल्म की मुख्य ताकत हैं। नयनतारा ने अहम भूमिका में प्रभावित किया है, वहीं विक्ट्री वेंकटेश, कैथरीन और अन्य कलाकारों ने भी अपने–अपने किरदारों के साथ न्याय किया है। फिल्म का निर्माण साहू गरापति और सुष्मिता कोनिडेला ने किया है। उच्च स्तरीय निर्माण और त्योहारों के मौसम के अनुरूप मनोरंजन के तत्व फिल्म को ब्लॉकबस्टर की ओर ले जा रहे हैं।

इस फिल्म में चिरंजीवी एक भारतीय सुरक्षा अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। सुरक्षा का जिम्मा संभालते हुए एक केंद्रीय मंत्री अपने परिवार से बिछड़ जाते हैं। फिल्म की कहानी उस अधिकारी के सफर के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नी और बच्चों से बिछड़ने के बाद अपने परिवार से फिर से मिलने की कोशिश करता है। अनिल रविपुडी ने एक्शन, भावनाओं और पारिवारिक मूल्यों का बेहतरीन मेल करके इस कहानी को रोचक बना दिया है।

कुल मिलाकर, माना शंकरा वरप्रसाद गारू न केवल मेगास्टार के करियर की एक और सुपर हिट फिल्म है, बल्कि क्षेत्रीय फिल्म उद्योग के बॉक्स ऑफिस इतिहास में भी एक विशेष स्थान अर्जित कर रही है।

अल्लू अर्जुन की फिल्म एए23 में होगी श्रद्धा कपूर की एंट्री? सामने आई ये जानकारी

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन आने वाले दिनों में कई फिल्मों के जरिए पर्दे पर धमाका करते दिखेंगे। एक तरफ उनकी फिल्म

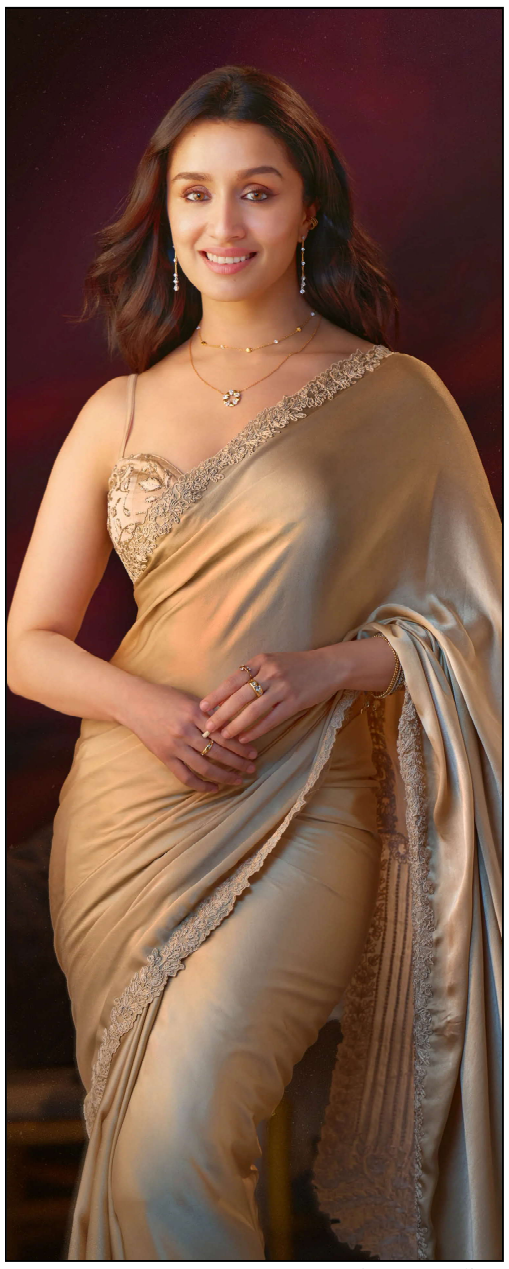

फिल्म एए22–ए6 का इंतजार किया जा रहा है जिसका निर्देशन एटली कर रहे हैं। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण मुख्य किरदार में दिखाई देंगी। दूसरी तरफ अल्लू अपनी दूसरी फिल्म एए23 को लेकर चर्चा में हैं जिसका आधिकारिक ऐलान कुछ दिन पहले किया गया था। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म पर बड़ा अपडेट आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एक्शन से भरपूर फिल्म एए23 में अल्लू के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को कास्ट किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर यह चर्चाएं लोगों का खूब ध्यान खींच रही हैं। निर्माताओं ने भले आधिकारिक तौर पर ऐलान न किया हो लेकिन फैंस इस फ्रेश जोड़ी को एक साथ देखने के लिए अभी से उत्साहित हो रहे हैं। बता दें कि एए23 फिल्म का अस्थायी नाम है, जिसका शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है।

अर्जुन और लोकेश के सहयोग वाली फिल्म एए23 का आधिकारिक ऐलान 14 जनवरी को किया गया था। निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया पर छोटा सा टीजर वीडियो जारी किया था और बताया था कि फिल्म की शूटिंग इसी साल 2026 से शुरू होगी। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर संभालेंगे। पुष्पा फ्रैंचाइजी की तरह अल्लू की एए23 भी एक पैन इंडिया फिल्म होगी जिसके लिए निर्माताओं ने तैयारी शुरू कर दी है।

चांद मेरा दिल की रिलीज तारीख जारी, 10 अप्रैल को साथ आएंगे अनन्या पांडे और लक्ष्य लालवानी

धर्मा प्रोडक्शंस एक और प्यारी–सी लव स्टोरी के साथ फैंस का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। फिल्म का नाम चांद मेरा दिल है। इस फिल्म में नई जोड़ी अनन्या पांडे और लक्ष्य ललवानी पहली

बार साथ नजर आएंगे। अच्छी खबर ये है कि फिल्म का रिलीज डेट फाइनल हो गई है। यह प्यार भरी कहानी 10 अप्रैल 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी। अनन्या पांडे पिछले कुछ सालों में अपनी चुलबुली अदा से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। चाहे स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2य हो या श्गहराइयांय, उन्होंने हर रोल में कुछ नया दिखाया। अब वह रोमांटिक हीरोइन के रूप में नजर आने वाली हैं। उनके साथ लक्ष्य ललवानी जो किल जैसी फिल्म से अपना जलवा दिखा चुके हैं। धर्मा के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों की केमिस्ट्री बड़ा कमाल दिखा सकती है। फिल्म का टाइटल अभी से ही लोगों के दिलों को छू रहा है। इसके नाम से लगता है कि यह कहानी दो दिलों के मिलन की होगी। धर्मा की फिल्में हमेशा प्यार को खूबसूरती से दिखाती हैं। श्ये जवानी है दीवानीय हो या श्हम्प्टी शर्मा की दुल्हनियाय, हर बार दर्शक प्यार में डूब जाते हैं। इस बार भी वही जादू होने की उम्मीद है। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में लक्ष्य की पहली वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड रिलीज हुई है। इस शो से उनकी लोकप्रियता और भी ज्यादा बढ़ गई है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस शो को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसका दूसरा सीजन भी आने वाले समय में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा।

बॉर्डर 2 की आंधी के आगे रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 ने दिखाया खूब दम, बनी फ्रेंचाइजी की हाईएस्ट ओपनर

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 रिलीज हो गई है। इसके सामने सनी देओल की बॉर्डर 2 जैसी बड़ी चुनौती थी, जो पहले से बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। बॉर्डर 2 की वजह से

मर्दानी 3 को स्क्रीन कम मिलीं और दर्शकों की संख्या पर भी थोड़ा असर पड़ा, इसके बावजूद रानी की फिल्म ने पहले दिन ठीक–ठाक शुरुआत की है। रानी के दमदार अभिनय से सजी मर्दानी 3 ने पहले दिन कितने कमाए, आइए जानते हैं।

सैकनिल्क के मुताबिक, मर्दानी 3 ने पहले दिन 3.80 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला है। इस फिल्म ने साल 2014 में आई मर्दानी (3.46 करोड़) के पहले दिन के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है, वहीं ये मर्दानी 2 (3.80 करोड़) के पहले दिन की कमाई के बिल्कुल बराबर रही है। इसी के साथ मर्दानी 3 अब रानी के करियर की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप 5 फिल्मों की सूची में शामिल हो गई है। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है और इसकी कहानी आयुष गुप्ता ने लिखी है। मर्दानी ने मानव तस्करी की काली सच्चाई को उजागर किया था। मर्दानी 2 में एक क्रूर अपराधी की परेशान करने वाली मानसिकता पर फोकस किया गया था। मर्दानी 3 यानी तीसरी किस्त में भी समाज की एक और कड़वी सच्चाई को बड़ी बेबाकी से दिखाया गया है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है।

सर्दियों के लिए बेहतरीन है ऊनी बेरेट, इन 5 तरीकों से बनाएं स्टाइल का हिस्सा

सर्दियों में ठंड से बचने और खास दिखने के लिए लोग ऊनी बेरेट पहनना पसंद करते हैं। यह न केवल सिर को गर्म रखती है, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बना सकती है। ऊनी बेरेट में कई डिजाइन और रंग उपलब्ध रहते हैं, जो आपके व्यक्तित्व को उभारने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ बेहतरीन ऊनी बेरेट स्टाइल्स पर चर्चा करेंगे, जो कपड़ों की अलमारी में शामिल करने लायक हैं।

क्लासिक सुनहरी बेरेटः क्लासिक सुनहरी बेरेट हर किसी के पास होनी ही चाहिए। यह किसी भी पोशाक के साथ आसानी से मेल खा सकती है, चाहे वह सूट हो या जींस। सुनहरी रंग की बेरेट आपको एक शाही अंदाज दे सकती है और इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ पहन सकती हैं। इसे आप सफेद या काले रंग के सिंपल कपड़ों पर स्टाइल कर सकती हैं। इससे साधारण कपड़े भी खास लगने लगेंगे और आपका लुक निखर जाएगा।

लाल रंग की बेरेटः लाल रंग की बेरेट सर्दियों में एक अलग ही सुंदरता दे सकती है। इस रंग वाली बेरेट हर रंगत वाली महिला पर अच्छी लगती है। लाल रंग की बेरेट को आप सफेद या लाल रंग की पोशाक के साथ आसानी से स्टाइल कर सकती हैं। यह खास तौर से ड्रेस या स्कर्ट टॉप के साथ कमाल की लगेगी। इसे महिलाएं क्रिसमस और वैलेंटाइन डे जैसे खास मौकों पर स्टाइल करना बहुत पसंद करती हैं।

नीली रंग की बेरेट

नीली रंग की बेरेट भी एक सुंदर विकल्प हो सकता है, जो आपको एक अलग ही अंदाज देगा। इसे आप किसी भी रंग के कपड़ों के साथ मिलाकर पहन सकती हैं। हालांकि, यह सफेद, काले या ग्रे रंग की पोशाक के साथ सबसे ज्यादा अच्छी लगती है। आप जींस टॉप और स्वेटर वेस्ट के साथ इसे स्टाइल कर सकती हैं या फिर ड्रेस और लेगिंग के साथ भी इसका मेल बैठा सकती हैं।

क्रीम रंग की बेरेट

क्रीम रंग की बेरेट एक बहुत ही सुंदर लुक देती है, जो सर्दियों में बहुत ही खास लगता है। हल्का होने की वजह से इसका रंग ज्यादातर कपड़ों के साथ अच्छा लग सकता है। खास तौर से क्रीम, भूरी या फिर गुलाबी रंग की पोशाक के साथ इसका मेल वाकई जबरदस्त लगता है। आप नारंगी और पीच रंग के कपड़ों के साथ भी क्रीम रंग की बेरेट को स्टाइल कर सकती हैं।

काले रंग की बेरेट

काले रंग की बेरेट हमेशा से ही फैशन में रही है और यह एक सदाबहार रंग है। इसे आप किसी भी प्रकार की पोशाक के साथ पहन सकती हैं, चाहे वह हल्के रंग की हो या फिर गहरे रंगों वाली हो। काले रंग की बेरेट हर मौके पर पहनी जा सकती है और इसमें आपको एक क्लासी लुक मिल सकता है। इसका मेल खास तौर से लाल, मेहरून, ग्रे, नीले, गुलाबी या फिर सफेद कपड़ों के साथ जंचता है।